ज्येष्ठ शुक्ल - 13 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 322 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 20-06-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 'यूपी के दो लड़के' राजनीति को मोहब्बत की दुकान बनाएंगे 'खटाखट खटाखट' : राहुल

6 महिला सशक्तीकरण का माध्यम है योग

7 'फैशन के साथ चलना थकाऊ' हो सकता है : मंजरी मिश्रा

फर्स्ट टेक

एयर इंडिया चुनिंदा घरेलू मार्गों पर प्रीमियम इकनॉमी श्रेणी शुरू करेगी

मुंबई/भाषा। एयर इंडिया अगले महीने से चुनिंदा घरेलू मार्गों पर प्रीमियम इकनॉमी श्रेणी शुरू करने जा रही है। यह श्रेणी उपलब्ध कराने वाली एयर इंडिया दूसरी भारतीय एयरलाइन कंपनी होगी। अभी तक सिर्फ विस्तारा ही घरेलू मार्गों पर प्रीमियम इकनॉमी यात्रा श्रेणी उपलब्ध कराती है। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन ने बुधवार को कहा कि उसने दो नए ए320 नियो विमानों को तीन श्रेणियों में बांटा है। इनमें बिजनेस श्रेणी में आठ और प्रीमियम इकनॉमी में पैर रखने के लिए अतिरिक्त जगह के साथ 24 सीटें हैं। इसमें 132 इकनॉमी श्रेणी की सीटें भी होंगी। यह पहली बार है जब एयरलाइन ने अपने छोटे आकार के विमान में प्रीमियम इकनॉमी केबिन पेश किया है।

द सिटी को-ऑपरेटिव बैंक का लाइसेंस रिजर्व बैंक ने रद्द किया

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक ने बुधवार को पर्याप्त पूंजी और कमाई की संभावनाओं के अभाव के कारण द सिटी को-ऑपरेटिव बैंक, महाराष्ट्र का लाइसेंस रद्द कर दिया। रिजर्व बैंक ने कहा कि महाराष्ट्र के सहकारिता आयुक्त और सहकारी समितियों के पंजीयक को बैंक को बंद करने और एक परिसमापक नियुक्त करने का आदेश जारी करने के लिए कहा गया है। रिजर्व बैंक के अनुसार, सहकारी बैंक 19 जून, 2024 को कारोबारी समय की समाप्ति से बैंक परिचालन बंद कर देगा। परिसमापन पर, प्रत्येक जमाकर्ता जमा बीमा और ऋण गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) से केवल पांच लाख रुपये की मौद्रिक सीमा तक अपनी जमा राशि की जमा बीमा दावा राशि प्राप्त करने का हकदार होगा। रिजर्व बैंक ने कहा, ''बैंक के आंकड़ों के अनुसार, लगभग 87 प्रतिशत जमाकर्ता डीआईसीजीसी से अपनी जमा राशि की पूरी राशि प्राप्त करने के हकदार हैं।''

भीषण गर्मी, लू में कम से कम 550 हज यात्रियों की मौत

मक्का/एजेन्सी। सऊदी अरब में हज यात्रा के दौरान रेगिस्तानी क्षेत्र में भीषण गर्मी और लू के कारण अब तक कम से कम 550 लोगों की मौत हो गई है। अरब राजनयिकों ने पुष्टि की कि गर्मी और लू में कम से कम 323 मिस्रवासी मुख्य रूप से गर्मी से संबंधित बीमारियों के कारण मारे गये। अल-मुआइसेम अस्पताल से प्राप्त कुल संख्या का हवाला देते हुए एक राजनयिक ने कहा,सभी मिस्रवासी गर्मी के कारण मर गए, भीड़ के कुचलने के दौरान एक व्यक्ति को घातक चोटें भी आईं।

20-06-2024 सूर्यास्त 6:48 बजे | 21-06-2024 सूर्योदय 5:54 बजे

BSE	NSE
77,337.59 (+36.45)	23,521.60 (-36.30)

सोना	चांदी
7,380 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	91,100 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सिस्टम बना उपकरण

राजनीति में नेताओं के,
आते हैं अक्सर अवरोध।
कारण होता सुप्त ईर्ष्या,
या फिर होता है प्रतिशोध।
अपमानित होता है सिस्टम,
करे सभी दल इसका बोध।
बनता है कानून उपकरण,
जिससे आता सबको क्रोध।।

आधुनिक, अनुसंधान उन्मुख उच्च शिक्षा प्रणाली की दिशा में काम कर रही है सरकार : प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नालंदा विश्वविद्यालय के नए परिसर का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राजगीर, (बिहार)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि केन्द्र सरकार आधुनिक, अनुसंधान उन्मुख उच्च शिक्षा प्रणाली की दिशा में काम कर रही है और उनका मिशन है कि भारत की पहचान फिर से दुनिया के सबसे प्रमुख ज्ञान केंद्र के रूप में बने। मोदी ने यहां नालंदा विश्वविद्यालय के नए परिसर का उद्घाटन करते हुए छात्रों से हमेशा जिज्ञासु और साहसी बने रहने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री ने प्राचीन नालंदा विहार के परिसर का भ्रमण करने और उसके अवशेषों का अवलोकन करने के बाद नालंदा विश्वविद्यालय के नए परिसर का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा, ''नालंदा उस सत्य का उद्घोष है कि आग की लपटों में पुस्तकें भले जल जाएं, लेकिन आग की लपटें ज्ञान को नहीं मिटा सकतीं। नालंदा के विध्वंस ने भारत को अंधकार से भर दिया था। अब इसकी पुनर्स्थापना, भारत के स्वर्णिम युग की शुरुआत करने जा रही है।'' उन्होंने कहा, ''जब शिक्षा का विकास होता है तो अर्थव्यवस्था और संस्कृति की जड़ें भी मजबूत होती हैं। हम विकसित देशों को देखें तो पाएंगे कि वे अर्थ, सांस्कृतिक लीडर तब बने जब एजुकेशनल लीडर हुए।''

मोदी ने कहा, ''आज दुनिया भर के छात्र उन देशों में जाकर पढ़ना चाहते हैं। कभी ऐसी स्थिति हमारे यहां नालंदा और विक्रमशिला जैसे स्थानों में हुआ करती थी। इसलिए यह केवल सहयोग नहीं है कि जब भारत शिक्षा में आगे था तब उसकी आर्थिक सामर्थ्य भी नई ऊंचाई पर था।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह किसी भी राज्य के विकास के लिए बुनियादी 'रोड मैप' है, इसलिए 2047 तक विकसित होने के लक्ष्य पर काम कर रहा भारत, शिक्षा के क्षेत्र का कायाकल्प कर रहा है। उन्होंने कहा, ''मेरा मिशन है कि भारत दुनिया के लिए शिक्षा और ज्ञान का केंद्र बने। इसके लिए भारत आज बहुत कम उम्र से ही अपने छात्रों को नई खोज की भावना से जोड़ रहा है। आज एक तरफ एक करोड़ से ज्यादा बच्चों को अटल टिंकरिंग लैब में आधुनिक प्रौद्योगिकी का लाभ मिल रहा है वहीं दूसरी ओर चंद्रयान और गगनयान जैसे मिशन छात्रों में विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ा रहे हैं।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि नई खोज को बढ़ावा देने के लिए भारत ने एक दशक पहले 'स्टार्टअप इंडिया' मिशन की शुरुआत की थी और देश में एक समय कुछ ही स्टार्टअप थे, लेकिन आज भारत में 1,30,000 से ज्यादा स्टार्टअप हैं। उन्होंने कहा कि पहले की तुलना में आज भारत से रिकॉर्ड संख्या में पेटेंट फाइल किए जा रहे हैं और शोध पत्र प्रकाशित हो रहे हैं। उन्होंने कहा, ''हमारा जोर अपने युवा खोजकर्ताओं को शोध के लिए ज्यादा से ज्यादा मौके देने का है।

जम्मू-कश्मीर के बारामूला मुठभेड़ में दो आतंकवादी ढेर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में बुधवार को हुई मुठभेड़ में दो आतंकवादियों के मारे जाने की आशंका है, जबकि दो सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने बुधवार सुबह बारामूला जिले के वाटरगाम इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों द्वारा सुरक्षा बलों पर गोलीबारी करने के बाद तलाशी अभियान मुठभेड़ में बदल गया।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि मुठभेड़ स्थल पर दो शव देखे गए हैं, लेकिन अभी तक उन्हें बरामद नहीं किया जा सका है।

मारे गए उग्रवादियों की पहचान और संगठन का पता लगाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों के साथ गोलीबारी में दो सुरक्षाकर्मी – एक पुलिसकर्मी और सेना का एक जवान – घायल हो गए।

इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक ने विदेशों से भारत में धनप्रेषण सेवा शुरू की

नई दिल्ली/भाषा। इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी) ने यूरोनेट के रिया मनी ट्रांसफर के साथ साझेदारी में विदेशों से भारत में धनप्रेषण शुरू कर दिया है। आईपीपीबी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। आईपीपीबी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) आर विश्वेश्वरन ने कहा कि विदेश से धन पाने वाले व्यक्ति को खाते में राशि आने पर कोई शुल्क नहीं देना होगा और केवल प्रेषक को ही रिया मनी को धनप्रेषण शुल्क देना होगा। विश्वेशरन ने कहा, ''हमारा उद्देश्य बैंकिंग सेवाओं से वंचित और कम बैंकिंग सेवाओं के दायरे में शामिल लोगों की अड़चनों को दूर करना है। हम अब रिया मनी ट्रांसफर के साथ साझेदारी में 25,000 स्थानों पर अंतरराष्ट्रीय धनप्रेषण सेवा शुरू कर रहे हैं। इसे धीरे-धीरे बढ़ाकर 1.65 लाख से अधिक स्थानों वाले हमारे समूचे नेटवर्क को शामिल कर लिया जाएगा।'' डाक विभाग के तहत संचालित भुगतान बैंक आईपीपीबी के शीर्ष अधिकारी ने कहा कि इस सेवा के माध्यम से धन पाने वालों के पास अपनी पसंद के आधार पर पूरा धन या आंशिक राशि निकालने का विकल्प होगा। विश्वेश्वरन ने कहा, ''विदेश से धन पाने वालों के पास अपने आईपीपीबी खाते में धन भेजने का विकल्प भी होगा।

यूजीसी-नेट परीक्षा रद्द करने का शिक्षा मंत्रालय ने आदेश दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- यूजीसी-नेट परीक्षा इसलिए रद्द की गई कि ऐसी जानकारी मिली थी कि परीक्षा की शुचिता से समझौता किया गया है।
- फिर से यह परीक्षा आयोजित की जाएगी, जिसके लिए नई तिथि की घोषणा की जाएगी।

नई दिल्ली/भाषा। शिक्षा मंत्रालय ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित यूजीसी-नेट परीक्षा रद्द करने का बुधवार को आदेश दिया और मामले को गहन जांच के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपा गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यूजीसी-नेट परीक्षा इसलिए रद्द की गई कि ऐसी जानकारी मिली थी कि परीक्षा की शुचिता से समझौता किया गया है।

मंत्रालय का यह फैसला, मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट' (राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा) में कथित अनियमितताओं को लेकर उपजे बड़े विवाद के बीच आया है और यह मुद्दा अब उच्चतम न्यायालय में है। परंपरा से हटकर, इस बार राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) एक ही दिन (18 जून) में ''पेन और पेपर मोड'' में आयोजित की गई, जिसमें 11 लाख छात्रों ने परीक्षा के लिए पंजीकरण कराया था। शिक्षा मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि फिर से यह परीक्षा आयोजित की जाएगी, जिसके लिए नई तिथि की घोषणा की जाएगी। यूजीसी-नेट परीक्षा के माध्यम से भारतीयों को जूनियर रिसर्च फेलोशिप, सहायक प्रोफेसर के रूप में नियुक्ति और देश के विश्वविद्यालयों एवं कॉलेजों में पीएचडी में प्रवेश के लिए पात्रता निर्धारित की जाती है।

मानसून के थम जाने से जून में बारिश औसत से 20 प्रतिशत कम : आईएमडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- अगले तीन से चार दिन में महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, ओडिशा, आंध्र प्रदेश के तटीय क्षेत्रों, उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी, बिहार और झारखंड के कुछ हिस्सों में मानसून आने की संभावना

नई दिल्ली/भाषा। भारत में एक जून से मानसून अवधि की शुरुआत के बाद से 20 प्रतिशत कम बारिश हुई है और पूरे महीने भी कुल वर्षा औसत से कम होगी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी।

सामान्य से दो दिन पहले मुख्य भूमि पर पहुंचने और कई अन्य राज्यों में तेजी से आगे बढ़ने के बाद, 12 से 18 जून के बीच मानसून में कोई खास प्रगति नहीं हुई जिससे उत्तर भारत में बारिश के लिए प्रतीक्षा अवधि बढ़ गई। उत्तर भारत का एक बड़ा हिस्सा भीषण गर्मी से जूझ रहा है।

मौसम विभाग ने बताया कि अगले तीन से चार दिन में महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, ओडिशा, आंध्र प्रदेश के तटीय क्षेत्रों, उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी, बिहार और झारखंड के कुछ हिस्सों में मानसून आने की स्थिति बन रही हैं।

मौसम विभाग के अनुसार भारत में एक से 18 जून के बीच 64.5 मिमी बारिश हुई, जो इस दौरान 80.6 मिमी के औसत (एलपीए) से 20 प्रतिशत कम है।

उसने बताया कि एक जून से अब तक उत्तर-पश्चिम भारत में 10.2 मिमी बारिश (सामान्य से 70 प्रतिशत कम), मध्य भारत में 50.5 मिमी (सामान्य से 31 प्रतिशत कम), दक्षिण प्रायद्वीप में 106.6 मिमी (सामान्य से 16 प्रतिशत अधिक) तथा पूर्व एवं उत्तर-पूर्व भारत में 146.7 मिमी (सामान्य से 15 प्रतिशत कम) बारिश हुई।

दक्षिण-पश्चिम मानसून 19 मई को निकोबार द्वीप समूह के कुछ हिस्सों में पहुंच गया था। इसके बाद 26 मई को चक्रवात रेमल के साथ ही मानसून दक्षिण के अधिकांश हिस्सों और बंगाल की खाड़ी के मध्य तक पहुंचा था।

सरकार ने धान समेत 14 फसलों का एमएसपी बढ़ाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। केंद्र सरकार ने खरीफ सीजन 2024 – 25 के लिए धान, बाजरा, मक्का, तिल और कपास समेत 14 फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बढ़ाने की घोषणा की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को यहां केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में धान, ज्वार, बाजरा, रागी, मक्का, अरहर, मूंग, उड़द, मूंगफली, सूरजमुखी, सोयाबीन, तिल काला तिल और कपास का समर्थन मूल्य बढ़ाने की प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया।

बैठक के बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि सरकार के इस फैसले से किसानों के पास दो लाख करोड रुपए जाएंगे। उन्होंने बताया कि सरकार ने किसानों को उनकी उपज के लिए लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने के लिए विपणन सत्र 2024-25 के लिए खरीफ फसलों के एमएसपी में वृद्धि की है। पिछले वर्ष की तुलना में एमएसपी में सबसे अधिक वृद्धि तिलहन और दलहन के लिए की गई है। काला तिल के एमएसपी 983 रुपये प्रति क्विंटल, तिल में 632 रुपये प्रति क्विंटल और अरहर में 550 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की गई है। नई घोषणा के अनुसार खरीफ सीजन 2024 -25 में धान के लिए एमएसपी 117 रुपए बढ़ाकर 2300 रुपए प्रति क्विंटल कर दिया गया है। ग्रेड ए के लिए यह 2320 रुपए प्रति क्विंटल होगा। ज्वार- संकर का एमएसपी 191 रुपए बढ़ाकर 3571 रुपए प्रति क्विंटल किया गया है।

जेल में बंद कट्टरपंथी उपदेशक

अमृतपाल सिंह की हिरासत एक वर्ष के लिए बढ़ाई गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद कट्टरपंथी सिख उपदेशक और खडूर साहिब सीट से नवनिर्वाचित सांसद अमृतपाल सिंह की हिरासत एक साल के लिए बढ़ा दी गई है।

पंजाब सरकार के गृह मामलों और न्याय विभाग ने लोकसभा चुनाव के नतीजे आने से एक दिन पहले तीन जून को विस्तार का आदेश दिया था। आदेश का विवरण बुधवार को मीडिया को बताया गया। 'वारिस पंजाब दे' संगठन का प्रमुख अमृतपाल फिलहाल राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत अपने नौ सहयोगियों के साथ असम की जेल में बंद है।

निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ते हुए, अमृतपाल ने खडूर साहिब निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा चुनाव जीता। अमृतपाल ने निकटतम प्रतिद्वंद्वी और कांग्रेस उम्मीदवार कुलबीर सिंह जीरा को 1,97,120 मतों से हराया।

रूस और उत्तर कोरिया ने किए समझौते पर हस्ताक्षर, दोनों देश आक्रमण होने पर एक दूसरे की करेंगे मदद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सियोल, 19 जून (एपी) रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने बुधवार को एक शिखर वार्ता के दौरान एक नए समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसमें दोनों में से किसी भी देश पर हमला होने पर पारस्परिक मदद को लेकर प्रतिबद्धता जताई गई है। यह शिखर वार्ता ऐसे समय हुई है, जब दोनों देश पश्चिम के साथ बढ़ते गतिरोध का सामना कर रहे हैं।

नेताओं ने कहा कि यह समझौता सुरक्षा, व्यापार, निवेश और सांस्कृतिक तथा मानवीय संबंधों जैसे क्षेत्रों से जुड़ा है, तथा यह 1991 में सोवियत संघ के विघटन के बाद से मॉस्को और प्योंगयांग के बीच सबसे मजबूत कदम साबित हो सकता है। दोनों नेताओं ने इसे द्विपक्षीय संबंधों में एक बड़ा सुधार बताया। चौबीस साल में पुतिन के पहले उत्तर कोरिया दौरे के दौरान दोनों की मुलाक़ात हुई।

पुतिन की यह यात्रा हथियारों की उस व्यवस्था को लेकर बढ़ती पश्चिमी देशों में बढ़ती चिंताओं के बीच हो रही है जिसके तहत उत्तर कोरिया यूक्रेन से युद्ध के लिए रूस को हथियार मुहैया करा रहा है और बदले में आर्थिक सहायता और प्रौद्योगिकी हासिल कर रहा है। दोनों देशों के बीच इस कवायद को आर्थिक तथा सैन्य सहयोग बढ़ाने तथा अमेरिका के खिलाफ संयुक्त मोर्चा तैयार करने के तौर पर देखा जा रहा है।

रूसी सरकारी मीडिया के अनुसार हस्ताक्षर समारोह के बाद पुतिन ने कहा कि किम के साथ बातचीत में सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर काफी चर्चा हुई। पुतिन के हवाले से कहा गया है कि समझौते के तहत रूस उत्तर कोरिया के साथ सैन्य-तकनीकी सहयोग विकसित करने से पीछे नहीं हटेगा। मीडिया ने कहा कि पुतिन और किम के बीच बैठक करीब दो घंटे तक जारी रही जबकि प्रारंभ में बैठक का वक्त एक घंटे निर्धारित किया गया था। उत्तर कोरियाई नेता के साथ अपनी वार्ता की शुरुआत में पुतिन ने कहा कि रूस और उत्तर कोरिया आर्थिक तथा सैन्य सहयोग बढ़ाने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे क्योंकि वे ''रूसी संघ के विरुद्ध अमेरिका और उसके उपग्रहों की साम्राज्यवादी आधिपत्यवादी नीतियों के विरुद्ध संघर्ष कर रहे हैं।''

रूस एशियाई देशों में से 'सबसे ईमानदार मित्र, सहयोगी': किम

प्योंगयांग/एजेन्सी। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने बुधवार को रूस को एशियाई देशों में से 'सबसे ईमानदार मित्र और सहयोगी' करार देते हुए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को कोरियाई लोगों का 'सबसे प्रिय मित्र' बताया। किम ने पुतिन की प्योंगयांग यात्रा के दौरान एक प्रेस बयान में कहा, इस समय, जब पूरी दुनिया की निगाहें प्योंगयांग पर हैं, जो मित्रता के रूसी मिशन की मेजबानी कर रहा है, मैं अपने रूसी साथियों, सबसे ईमानदार मित्रों और सहयोगियों के साथ इस पवित्र हॉल में खड़ा हूं। उन्होंने कहा कि रूस और उत्तर कोरिया के बीच एक नई और 'सबसे शक्तिशाली संधि' का निष्कर्ष 'कोरियाई लोगों के सबसे प्रिय मित्र' राष्ट्रपति पुतिन की उत्कृष्ट दूरदर्शिता और दृढ़ संकल्प के बिना असंभव होगा।

मालदीव में भारतीय पर्यटकों की संख्या 2.5 फीसदी घटी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मालदीव/एजेन्सी। मालदीव का दौरा करने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या में इस वर्ष जून में 2.5 प्रतिशत की गिरावट आई है।

पर्यटन मंत्रालय की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार जून में अब तक समुद्र तट वाले देश में 44,013 से अधिक पर्यटक आ चुके हैं।

रिपोर्ट ने कहा गया है कि एक जून से 12 जून के बीच वेलाना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (वीआईए) पर कुल 44,013 पर्यटकों का स्वागत किया गया।

इस वर्ष की शुरुआत में पिछले वर्ष के 8,54,405 से 9.6 प्रतिशत की वृद्धि और 2022 के 7,47,183 से उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है।

आंकड़ों से पता चलता है कि जून में हर दिन औसतन लगभग 3,668 पर्यटक आ रहे हैं और पर्यटक सात दिनों तक मालदीव में रह रहे हैं।

एस्टर अस्पताल ने एक मरीज पर दो सफल हृदय प्रत्यारोपण सर्जरी कर रचा इतिहास

- विवाह से पहले और बाद में हृदय प्रत्यारोपण का एक दुर्लभ मामला
- कर्नाटक में पहली और भारत में दूसरी बार हुई यह दुर्लभ सर्जरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रभु की रचना के आगे हम सभी नतमस्तक है, परन्तु विज्ञान व एडवांस्ड चिकित्सा की इस दुनिया में एक बार हृदय प्रत्यारोपण कर व्यक्ति के हृदय को तो बदला जा सकता है परन्तु एक बार हृदय प्रत्यारोपण के बाद पुन: उस हृदय को निकालकर नए हृदय का सफल प्रत्यारोपण (दूसरी बार) करना अपने आप में एक दैवीय चमत्कार से कम नहीं है पर ऐसा ही चमत्कार शहर के अग्रणी अस्पताल एस्टर आरवी के विशेष हृदय रोग विशेषज्ञों की टीम ने कर दिखाया। एस्टर आरवी की डाक्टरों की टीम ने 32 वर्षीय इंजीनियर की छाती में दो बार हृदय प्रत्यारोपण कर उन्हें स्वस्थ कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इस तरह की जटील दो बार हृदय प्रत्यारोपण कर्नाटक में पहला व भारत में दूसरा अवसर है।

एक पत्रकार वार्ता में एस्टर आरवी अस्पताल के डाक्टरों की टीम ने बताया कि 32 वर्षीय इंजीनियर ने एस्टर हॉस्पिटल्स में एक सफल हृदय प्रत्यारोपण करवाया। वर्ष 2016 में फैले हुए कार्डियोमायोपैथी और गंभीर हृदय रोग के कारण, उनके हृदय को अपरिवर्तनीय क्षति और हृदय विफलता से उबरने की कोई उम्मीद नहीं होने के कारण, रोगी का सफल हृदय प्रत्यारोपण हुआ तथा रोगी वर्ष 2020 तक स्थिर रहा। उन्होंने प्रत्यारोपण के बाद के जीवन की बाधाओं को स्वीकार करते हुए 2018 में शादी कर ली। हालाँकि वर्ष 2020 में रोगी गंभीर रूप से कोविड-19 से संक्रमित हो गया तथा वह बिना किसी स्थायी बाधा के पूरी तरह ठीक हो गया। वर्ष 2021 में मरीज के सीने में दर्द और पीठ दर्द ने एक नई चुनौती को जन्म दिया। रोगी को कार्डियक एलोग्राफ्ट वास्कुलोपैथी अर्थात प्रत्यारोपित हृदय में धमनियों का संकुचित होने की संभावना हुई। वर्ष 2022 में एक फॉलो-अप इकोकार्डियोग्राम में गंभीर बाइवेंट्रिकुलर डिसफंक्शन रोग का पता चला, जिससे कार्डियक री-ट्रांसप्लांट की आवश्यकता पड़ी। मामले की जटिलता को समझते हुए डॉ गणेशकृष्णन अय्यर, डॉ दिवाकर भट्ट, डॉ. अरुल डोमिनिक फ़र्टाडो, डॉ. मधुसूदन नारायण, डॉ. प्रशांत वाईएम, और प्रमुख हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. नागमलेश यूएम की टीम के नेतृत्व में हृदय रोग विशेषज्ञों की टीम ने हृदय पुनः प्रत्यारोपण सर्जरी करने का निर्णय लिया गया। मरीज को दिसंबर 2023 में एक जटिल पुन: प्रत्यारोपण से गुजरना पड़ा। जबकि शुरुआती जटिलताएं रक्तस्राव और अस्वीकृति एपिसोड के कारण उत्पन्न हुईं, नियमित बायोप्सी और करीबी निगरानी के साथ सावधानीपूर्वक प्रबंधन ने एक सफल रिकवरी सुनिश्चित हुई। अब उनके दूसरे हृदय प्रत्यारोपण के 6 महीने पूरे हो गए हैं और कोई और जटिलता नहीं हुई है। पत्रकार वार्ता में एस्टर सीएमआई हॉस्पिटल के कार्डियोलॉजी विशेषज्ञ, सीटीवीएस सर्जरी विशेषज्ञ डॉ दिवाकर भट्ट, एस्टर अस्पताल के सीईओ रमेशकुमार व सीओओ एसजीएस लक्ष्मणन आदि ने इस केस के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

हरियाणा विस चुनाव से पहले भाजपा में शामिल हुई पूर्व कांग्रेस नेता किरण चौधरी, बेटी श्रुति चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस से इस्तीफा देने के अगले ही दिन हरियाणा की वरिष्ठ नेता किरण चौधरी और उनकी बेटी श्रुति चौधरी ने बुधवार को अपने तमाम समर्थकों के साथ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन थाम लिया। राज्य में इस साल अक्टूबर में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर इसे भाजपा के लिए बड़ी सफलता माना जा रहा है।

यहां पार्टी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर और राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ की मौजूदगी में दोनों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। भाजपा में शामिल होने के बाद किरण चौधरी ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, ''अब मैं भी भगवा रंग में रंग गई हूं। लेकिन यही रंग चौधरी बंसीलाल का भी रंग था।'' बड़ी संख्या में भाजपा मुख्यालय पहुंचे अपने समर्थकों को संदेश देते हुए उन्होंने कहा, ''हमने 20 साल पहले हरियाणा विकास पार्टी का कांग्रेस में विलय कर दिया था। आज मैं आपसे आह्वान करती हूं कि आप कांग्रेस का झंडा छोड़कर भाजपा का झंडा उठा लें और हरियाणा विधानसभा चुनाव में लगातार तीसरी बार भाजपा की शानदार जीत सुनिश्चित करने के लिए आगे बढ़ते रहें।'' उन्होंने कहा, ''आज से, हमारा काम शुरू होता है। चौधरी बंसीलाल का नाम लीजिए और भाजपा की नीतियों पर काम करना शुरू कीजिए, भाजपा के शीर्ष नेतृत्व की जय-जयकार करते हुए हरियाणा के कोने-कोने का दौरा कीजिए। यही चौधरी बंसीलाल और चौधरी सुरेंद्र सिंह को हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।''

हरियाणा में कांग्रेस को झटका देते हुए चौधरी और उनकी बेटी ने मंगलवार को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। श्रुति चौधरी कांग्रेस की हरियाणा इकाई की कार्यकारी अध्यक्ष थीं। किरण चौधरी भिवानी जिले की तोशाम विधानसभा से विधायक हैं।

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री बंसीलाल की पुत्रवधू किरण चौधरी को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा का चिर प्रतिद्वंद्वी माना जाता है। किरण और उनकी बेटी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को अलग-अलग त्यागपत्र भेजे, जिसमें उन्होंने हुड्डा पर निशाना साधा।

बताया जाता है कि किरण चौधरी हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव में भिवानी-महेंद्रगढ़ निर्वाचन क्षेत्र से श्रुति चौधरी को टिकट नहीं दिए जाने के साथ साथ राज्य में पार्टी द्वारा टिकटों के समग्र वितरण को लेकर नाराज थीं। पार्टी ने भिवानी-महेंद्रगढ़ सीट से मौजूदा विधायक और हुड्डा के वफादार राव दान सिंह को टिकट दिया था, जो भाजपा के मौजूदा सांसद धर्मबीर सिंह से हार गए। इस सीट से श्रुति पूर्व में सांसद रह चुकी हैं। किरण चौधरी ने कहा कि वह भाजपा में इसलिए शामिल हुईं क्योंकि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के काम से बेहद प्रभावित हैं। उन्होंने कहा कि देश के लोगों ने उन्हें प्रधानमंत्री के रूप में लगातार तीसरी बार जनादेश दिया है।

शरद पवार को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद राज्य की सत्ता में वापसी का भरोसा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार ने बुधवार को विश्वास जताया कि इस साल होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद उनकी पार्टी राज्य की सत्ता में लौटेगी। पवार ने कहा कि उनकी पार्टी सत्ता में आई तो राज्य के किसानों के मुद्दों का समाधान करेगी।

राकांपा (एसपी) के नेता ने पुणे जिले की बारामती तहसील में नीरा वगाज गांव में किसानों से बातचीत के दौरान यह बात कही। पवार ने कहा, ''केंद्र और राज्य, दोनों ही जगह हमारी सरकार नहीं है। लेकिन राज्य में चुनाव होने वाले हैं। हमने देखा है कि लोकसभा चुनाव में कैसा प्रदर्शन रहा है। यदि राज्य विधानसभा चुनावों में इसी तरह का काम हुआ तो मुझे कोई वजह नजर नहीं आती कि राज्य सरकार की कमान हमारे हाथ में नहीं आएगी।'' उन्होंने कहा कि अगर उनकी पार्टी राज्य में सरकार बनाएगी तो किसानों के सभी मुद्दों का समाधान किया जा सकता है। कांग्रेस, उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) और शरद पवार के नेतृत्व वाली रांकपा (एसपी) के गठबंधन महा विकास आघाड़ी (एमवीए) ने लोकसभा चुनावों में महाराष्ट्र में 48 में से 30 संसदीय सीटों पर जीत दर्ज की।

राज्य की सत्ता में काबिज महायुति में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के नेतृत्व वाली राकांपा शामिल हैं। महायुति ने लोकसभा चुनावों में 17 सीटें जीतीं, जबकि एक सीट निर्दलीय उम्मीदवार के खाते में गई। कांग्रेस ने 13 सीटों पर जीत हासिल की, शिवसेना (यूबीटी) नौ और राकांपा (शरदचंद्र पवार) ने आठ सीटें जीती।

अडाणी समूह के चार बंदरगाह विश्व बैंक के प्रदर्शन सूचकांक में शामिल

नई दिल्ली/भाषा। अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लि. (एपीएसईजेड) के तहत संचालित चार बंदरगाहों को 'कंटेनर बंदरगाह प्रदर्शन सूचकांक 2023' में जगह दी गई है। विश्व बैंक और एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस द्वारा विकसित सूचकांक उत्पादकता, दक्षता और विश्वसनीयता जैसे मापदंडों पर बंदरगाहों के प्रदर्शन का आकलन करता है। अडाणी समूह की कंपनी ने बयान में कहा, मुंद्रा बंदरगाह को इसमें 27वीं रैंकिंग दी जबकि कट्टुपल्ली 57वें, हजीरा 68वें और कृष्णपट्टनम बंदरगाह 71वें स्थान पर आया। भारत के कुल नौ बंदरगाह शीर्ष 100 बंदरगाहों की सूची में शामिल हुए हैं। इनमें अडाणी समूह के संचालन वाले चार बंदरगाह भी शामिल हैं। एपीएसईजेड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी और पूर्णकालिक निदेशक अश्विनी गुप्ता ने कहा, हमारे चार बंदरगाहों को विश्व बैंक के कंटेनर बंदरगाह प्रदर्शन सूचकांक 2023 में मान्यता मिलने पर हमें गर्व है।

राष्ट्रहित, धर्म की रक्षा, समाज की एकता के लिए काम करूंगा : बंदी संजय कुमार

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री बंदी संजय कुमार ने बुधवार को कहा कि वह राष्ट्र हित, धर्म की रक्षा और समाज की एकता के लिए काम करेंगे तथा तेलंगाना में अपने निर्वाचन क्षेत्र के विकास के लिए निधि लाने का प्रयास करेंगे। केंद्रीय मंत्री का पदभार ग्रहण करने के बाद, तेलंगाना के करीमनगर में पहली बार पहुंचे कुमार ने संवाददाताओं से कहा कि बतौर मंत्री उनकी पदोन्नति का श्रेय पार्टी कार्यकर्ताओं और उनके कठिन परिश्रम को जाता है। कुमार ने कहा कि यह भाजपा में ही संभव है कि उनके जैसा व्यक्ति करीमनगर में एक पार्षद से केंद्रीय मंत्री के पद तक पहुंच जाता है। करीमनगर पहुंचने पर पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका शानदार स्वागत किया एवं उनपर फूल बरसाये। कुमार ने याद किया कि जब वह तेलंगाना की पिछली भारत राष्ट्र समिति सरकार के दौरान प्रदेश भाजपा अध्यक्ष थे तब पार्टी कार्यकर्ताओं ने पुलिस की लाठियां खाईं, उनके खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किये गये, उन्हें नजरबंद किया गया।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने सिकल सेल एनीमिया के उन्मूलन के लिए चौतरफा प्रयास करने का आह्वान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

डिंडोरी (मप्र)/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को सभी से सिकल सेल रोग के उन्मूलन के लिए प्रयास करने का आह्वान किया। विश्व सिकल सेल दिवस पर मध्यप्रदेश के डिंडोरी शहर में एक कार्यक्रम में संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा, ''वर्ष 2047 तक देश विकसित हो जाएगा और विकसित देश की पहचान होगी सिकल सेल बीमारी का पूर्ण उन्मूलन।

प्रधानमंत्री ने 2023 में पड़ोसी जिले शहडोल से राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन की शुरुआत की है।'' धनखड़ ने कहा, ''हवन (प्रयास) शुरू हो चुका है और सभी को इसमें आहुति देनी है।'' सिकल-सेल एनीमिया हीमोग्लोबिन एस नामक एक दोषपूर्ण जीन के कारण होता है, जिसके कारण लचीली लाल रक्त कोशिकाएं कठोर सिकल के आकार की कोशिकाएं बन जाती हैं, जिससे रक्त प्रवाह बाधित होता है और अंग क्षति का खतरा बढ़ जाता है।

उपराष्ट्रपति ने कहा, ''राष्ट्रीयता की मैराथन यात्रा चल रही है और हर कोई साथ है। कोई भी भारत के विकास को रोक नहीं पाएगा लेकिन यह तभी पूरा होगा जब 2047 तक देश से सिकल सेल रोग का उन्मूलन हो जाएगा और इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सभी की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।''

उन्होंने यह भी कहा कि यह सभी के लिए गर्व की बात है कि पहली बार एक आदिवासी महिला, द्रौपदी मुर्मू देश की राष्ट्रपति बनीं और उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को शपथ दिलाई।

दिल्ली हवाईअड्डा: बाल-दाढ़ी रंगकर बुजुर्ग के तौर पर यात्रा करने की कोशिश करने वाला युवक पकड़ा

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को बताया कि दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 24 वर्षीय युवक को पकड़ा गया है जो कथित तौर पर बुजुर्ग का हुलिया बनाकर कनाडा जा रहा था। उन्होंने बताया कि बाल और दाढ़ी रंगकर पहुंचे यात्री गुरु सेवक सिंह को मंगलवार शाम इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे के टर्मिनल-3 पर रोका गया और उसे दिल्ली पुलिस को सौंप दिया गया।

अधिकारी के अनुसार संदिग्ध गतिविधियों के चलते सीआईएसएफ कर्मियों ने पहले उस व्यक्ति की जांच की। उसने पहचान पत्र के तौर पर पासपोर्ट को प्रस्तुत करते हुए खुद को 67 वर्षीय रशविंदर सिंह सहोता बताया। अधिकारी ने बताया कि उसे मंगलवार को दिल्ली से उड़ान भरने वाले एयर कनाडा के विमान में सवार होना था।

नीट विवाद : आप ने शिक्षा मंत्रालय को बर्खास्त करने की मांग की

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य संदीप पाठक ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर पेपर लीक को संस्थागत रूप देने का आरोप लगाया और नीट में अनियमितताओं को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की।

पाठक ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा में भ्रष्टाचार देश के साथ विश्वासघात करने से कम नहीं है। उन्होंने कहा, ''पिछले कुछ दिनों में नीट परीक्षा में बड़ा भ्रष्टाचार सामने आया है। नीट परीक्षा देश के लिए काफी महत्वपूर्ण है। मेडिकल कॉलेजों में सभी प्रवेश नीट के जरिए होते हैं।'' उन्होंने कहा, ''करीब एक लाख सीट हैं और इन परीक्षाओं में 24 लाख छात्र बैठते हैं। विद्यार्थी इन परीक्षाओं की तैयारी काफी पहले से ही शुरू कर देते हैं और उनके परिवार भी परीक्षा तैयारी में शामिल होते हैं। शिक्षा में भ्रष्टाचार देश के साथ विश्वासघात से कम नहीं है।'' पाठक ने कहा कि उनकी पार्टी इसे राजनीतिक मुद्दा नहीं बनाना चाहती, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इस मामले में अपनी प्रतिक्रिया देनी चाहिए।

उन्होंने कहा, ''भाजपा ने देश में पेपर लीक को संस्थागत बना दिया है। पूरी समस्या की जड़ गुजरात है और 2015 से अब तक वहां एक भी परीक्षा ऐसी नहीं हुई, जिसका प्रश्नपत्र लीक नहीं हुआ हो। हम इसे राजनीतिक मुद्दा नहीं बनाना चाहते हैं।'' पाठक ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी को इस मुद्दे पर जवाब देना चाहिए। उन्हें शिक्षा मंत्री को निलंबित करना चाहिए या संबंधित मंत्री को खुद ही इस्तीफा दे देना चाहिए।

एसी की अभूतपूर्व मांग के कारण कंपनियों को विदेशों से मंगवाने पड़ रहे हैं कलपुर्जे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत में इस साल भारी गर्मी के कारण एयर-कंडीशनर (एसी) की बिक्री रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच चुकी है। ऐसे में एसी विनिर्माता कम्प्रेसर, क्रॉस फ्लो पंखे/मोटर और पीसीबी सर्किट जैसे कलपुर्जे विदेशों से हवाई मार्ग से मंगवा रहे हैं, जिससे देश के अधिकांश हिस्सों में जारी भीषण गर्मी के कारण मांग में आई तेजी को पूरा किया जा सके। उद्योग जगत से जुड़े दिग्गजों ने यह बात कही है।

कंपनियां अपनी उत्पादन और आपूर्ति शृंखला को बरकरार रखने के लिए चीन, ताइवान, थाइलैंड, मलेशिया और जापान जैसे देशों के वैश्विक आपूर्तिकर्ताओं से कलपुर्जों को आपातकालीन स्थिति में हवाई मार्ग से मंगा रही हैं, क्योंकि पारंपरिक समुद्री मार्ग से आपूर्ति में अधिक समय लगता है। कुछ कंपनियों ने तांबे और एल्युमीनियम जैसी धातुओं की कीमतों में चार-पांच प्रतिशत तक की वृद्धि की है, जिससे कीमतों में वृद्धि का बोझ ग्राहकों पर पड़ रहा है। कुछ कंपनियों ने कहा कि इसके अलावा, कई स्थानों पर एसी लगाने में एक सप्ताह या उससे अधिक समय लग रहा है क्योंकि मौजूदा सेवा नेटवर्क नए कनेक्शन या सेवा अनुरोधों को संभालने में असमर्थ है। डाइकिन एयरकंडिशनिंग इंडिया के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) कंवलजीत जावा ने कहा कि पिछले तीन महीनों में घरेलू एसी उद्योग में लगभग 50 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है, जो उम्मीद से कहीं अधिक है। उन्होंने कहा, कुछ कंपनियों में कुछ कलपुर्जों की कमी थी और उन्हें हवाई मार्ग से भेजा गया होगा, लेकिन उद्योग निश्चित रूप से बहुत ही उत्साहपूर्ण स्थिति में है। एसी कंपनियों ने कहा कि उद्योग के पास यहां उस तरह का कलपुर्जों का सहयोग नहीं है क्योंकि भारत में अब भी उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाया जा रहा है।

खाद्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने एफसीआई का औचक दौरा किया

नई दिल्ली/भाषा। खाद्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने बुधवार को भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के मुख्यालय का औचक दौरा किया और अधिकारियों से खाद्य सुरक्षा को प्राथमिकता देने और सब्सिडी कम करने का आग्रह किया। एक सरकारी बयान में यह जानकारी दी गयी है।

खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा के साथ जोशी ने देश की खाद्य वितरण प्रणाली की दक्षता में सुधार के लिए एफसीआई के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की।

इसमें कहा गया है कि कार्यभार संभालने के बाद एफसीआई के अपने पहले दौरे के दौरान जोशी ने ''दक्षता बढ़ाने तथा लागत कम करने के अलावा सब्सिडी बोझ को कम करने की आवश्यकता बतायी।''

एफसीआई कार्यालय भवन का दौरा करते हुए मंत्री ने बुनियादी ढांचे में सुधार का सुझाव दिया।

एफसीआई के अध्यक्ष और अन्य शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक में जोशी को एजेंसी के संचालन, उपलब्धियों और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रमुख पहलों पर एक प्रस्तुति दी गई।

आलू के चिप्स के पैकेट में मृत मेंढ़क मिला, जांच के आदेश

जामनगर (गुजरात)/भाषा। आलू के चिप्स (पोटैटो वेफर्स) के एक पैकेट में कथित तौर पर मृत मेंढक पाए जाने के बाद बुधवार को जामनगर नगर निगम ने जांच के आदेश दे दिए हैं। मुंबई के एक निवासी द्वारा ऑनलाइन ऑर्डर की गई आइसक्रीम में मानव उंगली का टुकड़ा मिलने के दावे के कुछ दिनों बाद यह शिकायत आई है।

जामनगर नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया कि जांच के तहत आलू के चिप्स के पैकेट के उत्पादन बैच के नमूने एकत्र किए जाएंगे।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी डी बी परमार ने संवाददाताओं से बताया, जैस्मीन पटेल नाम की एक युवती ने हमें सूचना दी कि बालाजी वेफर्स द्वारा निर्मित क्रंचेक्स के एक पैकेट में एक मृत मेंढक मिला है। हम कल रात उस दुकान पर गए, जहां से इसे खरीदा गया था। प्रारंभिक जांच से पता चला कि वास्तव में यह एक मरा हुआ मेंढ़क था, जो सड़ी हुई अवस्था में था।

महंगाई धीरे-धीरे हो रही नरम, पर खाद्य वस्तुओं के दाम चिंता का विषय : आरबीआई बुलेटिन

मुंबई/भाषा। खुदरा महंगाई धीरे-धीरे कम हो रही है लेकिन लेकिन खाद्य वस्तुओं की ऊंची और अस्थिर कीमतें मुद्रास्फीति में कमी के रास्ते में बाधा बन रही है। भारतीय रिजर्व बैंक की बुधवार को जारी बुलेटिन में यह कहा गया। 'अर्थव्यवस्था की स्थिति' शीर्षक से जून, 2024 के बुटेलिन में प्रकाशित लेख में कहा गया कि 2024 की पहली तिमाही में वैश्विक वृद्धि मजबूत थी और कई केंद्रीय बैंकों ने अपने-अपने देशों में मुद्रास्फीति में गिरावट को देखते हुए कुछ नरम मौद्रिक नीति की ओर रुख किया है। उच्च आवृत्ति वाले संकेतक (जीएसटी संग्रह, बिजली खपत, माल ढुलाई, पीएमआई आदि) बताते हैं कि भारत में वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में वास्तविक जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि दर मोटे तौर पर उससे पिछली तिमाही में हासिल की गई गति को बनाए रखेगी।

राहुल हुए 54 वर्ष के, खरगे, अखिलेश और कई अन्य नेताओं ने बधाई दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं व विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के कुछ नेताओं ने बुधवार को राहुल गांधी को उनके जन्मदिन पर बधाई दी। कांग्रेस नेताओं ने राहुल गांधी को कमजोरों की आवाज, संविधान के प्रति अटूट आस्था रखने वाला तथा सत्ता को सच का आईना दिखाने वाला नेता बताया। राहुल गांधी का जन्म 19 जून, 1970 को नई दिल्ली में हुआ था। वह पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी और कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की ज्येष्ठ संतान हैं। वर्तमान में वह उत्तर प्रदेश के रायबरेली से लोकसभा सदस्य हैं। इससे पहले वह केरल के वायनाड से सांसद थे। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने पार्टी मुख्यालय में खरगे के साथ मिलकर अपने जन्मदिन का केक काटा। इस मौके पर प्रियंका गांधी और कई अन्य नेता मौजूद थे।

केंद्रीय मंत्री ने एक कार्यक्रम में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का नारा गलत लिखा, विपक्ष ने साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धार (मप्र)/भाषा। मध्यप्रदेश में एक कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर द्वारा 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का नारा गलत लिखे जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहा है जिसके बाद विपक्षी दल कांग्रेस ने उनकी योग्यता पर सवाल उठाए हैं। यह कार्यक्रम धार के ब्रम्हा कुंडी स्थित एक सरकारी स्कूल में 18 जून (मंगलवार) को 'स्कूल चलो अभियान' के तहत आयोजित किया गया था जिसमें धार सीट से सांसद ठाकुर मुख्य अतिथि थीं। ठाकुर, केंद्रीय मंत्रिमंडल में महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री भी हैं। वीडियो में ठाकुर सफेद बोर्ड पर 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' को 'बेढी पडाओं बच्चाव' लिखती नजर आ रही हैं।

इस संबंध में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के.के. मिश्रा ने कहा, ''यह लोकतंत्र का दुर्भाग्य है कि संवैधानिक पदों पर बैठे लोग और बड़े विभागों के जिम्मेदार लोग अपनी मातृभाषा में भी (लिखने में) सक्षम नहीं हैं। वे अपना मंत्रालय कैसे संभाल पाएंगे?'' उन्होंने कहा कि चुनाव में उम्मीदवारों की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता तय करने के लिए संविधान में संशोधन किया जाना चाहिए। कांग्रेस की मध्यप्रदेश इकाई के अध्यक्ष जीतू पटवारी के मीडिया सलाहकार मिश्रा ने कहा, ''एक तरफ देश के नागरिकों के साक्षर होने का दावा किया जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ जिम्मेदार लोगों में साक्षरता की कमी है। तो सच क्या है? यह किसी व्यक्ति विशेष से नहीं बल्कि व्यवस्था से जुड़ा मुद्दा है।'' भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जिला इकाई के अध्यक्ष मनोज सोमानी ने आरोप लगाया कि स्कूल चलो अभियान के दौरान जल्दबाजी में मंत्री द्वारा की गई गलती के वीडियो पर कांग्रेस का हंगामा उसकी ''छोटी और आदिवासी विरोधी सोच'' को दर्शाता है।

प्रदर्शन

मैसूरु में बुधवार को ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी के खिलाफ जेडीएस नेताओं ने विरोध प्रदर्शन किया।

पुलिस ने विरोध मार्च निकाल रहे केएसयू कार्यकर्ताओं पर पानी की बौछारें कीं

कन्नूर/पलक्कड़। केरल की वाम सरकार के खिलाफ बुधवार को कन्नूर और पलक्कड़ जिलों में मार्च निकालने वाले केरल स्टूडेंट यूनियन (केएसयू) के छात्रों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने पानी की बौछारें कीं और महिला प्रदर्शनकारियों को सड़क पर घसीटा। छात्र कार्यकर्ता उत्तरी केरल के मालाबार क्षेत्र के स्कूलों में 11वीं कक्षा की सीटों के कथित अभाव का मुद्दा उठा रहे थे। प्रदेश की वाम मोर्चा सरकार इस मसले पर आलोचना का सामना कर रही है। इस क्षेत्र के मलप्पुरम जिले के परप्पनंगडी में 11 जून को एक छात्रा ने कथित तौर पर इस चिंता में आत्महत्या कर ली थी कि उसे अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए 11वीं कक्षा में दाखिला मिल पाएगा या नहीं।

राज्य में विपक्षी कांग्रेस की छात्र शाखा केएसयू के कई कार्यकर्ताओं ने कन्नूर में जिला कलेक्ट्रेट की ओर मार्च किया और मांग की कि स्कूलों में 11वीं की अतिरिक्त कक्षाएं स्थापित की जाएं। जब प्रदर्शनकारी मुख्यमंत्री पिनराई विजयन और सामान्य शिक्षा मंत्री वी शिवनकुट्टी के खिलाफ नारे लगाते हुए आगे बढ़े तो पुलिस ने सड़क के बीच में रस्सी बांधकर उनका रास्ता रोक दिया। प्रदर्शनकारी नारेबाजी करते रहे और पीछे हटने से इनकार किया तो तो पुलिस ने दो बार पानी की बौछारें कीं। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को बैरिकेड पार करने से भी रोका।

चन्नपट्टनम में बुधवार को राघवेंद्र मठ और कोटे श्री वरदराजस्वामी मंदिर का दौरा करते उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री ने चन्नापटना विधानसभा उपचुनाव लड़ने के संकेत दिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने चन्नपटना विधानसभा उपचुनाव लड़ने की संभावना से इनकार नहीं किया और बुधवार को कहा कि वह पार्टी और क्षेत्र के मतदाताओं के 'फैसले' को मानने के लिए बाध्य हैं। पड़ोसी जिले रामनगर के एक शहर के दौरे से पहले कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष शिवकुमार ने संवाददाताओं से कहा, चन्नपटना मेरे दिल के सबसे करीब है। चन्नपटना ही वह जगह है जहां से मैंने राजनीति की शुरुआत की।

जनता दल-सेक्युलर (जद-एस) के नेता एवं केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी के लोकसभा के लिए निर्वाचित होने के बाद चन्नपटना विधानसभा सीट रिक्त हो गई है, ऐसे में इस सीट पर उपचुनाव जरूरी है। इस सीट पर उपचुनाव के कार्यक्रम को लेकर निर्वाचन आयोग की ओर से फिलहाल कोई घोषणा नहीं की गई है। शिवकुमार ने कहा, चन्नापटना भी पहले साथनूर का हिस्सा था।

मुझे चन्नपटना से खासा लगाव है, मैं चन्नपटना की मदद करना चाहता हूं। मैं चन्नपटना को बदलना चाहता हूं। पूर्व में शिवकुमार साथनूर का प्रतिनिधित्व करते थे। यह पूछे जाने पर कि क्या उनके भाई एवं पूर्व सांसद डी.के. सुरेश चन्नापटना से चुनाव लड़ेंगे, उन्होंने कहा, यह तय नहीं है। कमोबेश मैं अपने लिए ही वोट मांग रहा हूं।

हालांकि पहले चर्चा थी कि हाल के चुनावों में बेंगलूरु ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र से हारने वाले सुरेश को चन्नपटना विधानसभा उपचुनाव में उतारा जा सकता है, लेकिन अब अटकलें तेज हैं कि शिवकुमार क्षेत्र में अपना प्रभाव फिर से कायम करने के लिए चुनाव मैदान में उतर सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, अगर शिवकुमार चन्नपटना से चुनाव लड़ते हैं और जीत हासिल करने में कामयाब होते हैं तो वह सुरेश के लिए कनकपुरा विधानसभा सीट खाली कर सकते हैं। वर्तमान में शिवकुमार कनकपुरा सीट से विधायक हैं।

भारतीय विज्ञान संस्थान ने 'पाई' को दर्शाने का नया तरीका ढूंढा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) के भौतिकविदों ने अपरिमेय संख्या 'पाई' के निरूपण के लिए एक नयी श्रृंखला का पता लगाया है। बेंगलूरु स्थित संस्थान ने एक प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। विज्ञप्ति के अनुसार, यह उच्च-ऊर्जा कणों के 'क्वांटम प्रकीर्णन' जैसी प्रक्रियाओं को समझने में शामिल गणनाओं से 'पाई' निकालने का एक आसान तरीका प्रदान करता है। नया सूत्र 15वीं सदी में, भारतीय गणितज्ञ संगमग्राम माधव द्वारा सुझाए गए विचार के बहुत निकट है, जो 'पाई' के लिए इतिहास में दर्ज की गई पहली श्रृंखला थी।

बयान में कहा गया है कि यह अध्ययन शोधार्थी अर्नब साहा और सेंटर फॉर हाई एनर्जी फिजिक्स (सीएचईपी) के प्रोफेसर अनिंदा सिन्हा द्वारा किया गया था। यह अध्ययन पत्रिकित पत्रिका 'फिजिकल रिव्यू लेटर्स' में प्रकाशित हुआ है। बयान के अनुसार, हालांकि इस स्तर पर मिला निष्कर्ष सैद्धांतिक हैं, लेकिन संभव है कि वे भविष्य में व्यावहारिक अनुप्रयोगों की ओर ले जाएं। सिन्हा ने कहा कि पॉल डिरक ने 1928 में इलेक्ट्रॉनों की गति और अस्तित्व की दिशा में काम किया, लेकिन उन्होंने कभी यह नहीं सोचा था कि उनके निष्कर्ष बाद में पॉजिट्रॉन की खोज और फिर पॉजिट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी के लिए सुराग प्रदान करेंगे, जिसका उपयोग रोगों से ग्रसित होने पर शरीर के अंगों को स्कैन करने के लिए किया जाता है।

सिन्हा ने कहा, शुरू में, हमारा प्रयास पाई को देखने का तरीका खोजने का नहीं था। हम केवल क्वांटम सिद्धांत में उच्च-ऊर्जा भौतिकी का अध्ययन कर रहे थे और कणों के परस्पर क्रिया के तरीके को समझने के लिए कम और अधिक सटीक मापदंडों के साथ एक मॉडल विकसित करने की कोशिश कर रहे थे। जब हमें पाई को देखने का एक नया तरीका मिला, तो हम काफी उत्साहित थे।

कर्नाटक सरकार भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा देने की नीति पर कर रही है विचार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के लघु सिंचाई और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री एन.एस. बोसराजू ने बुधवार को कहा कि राज्य सरकार पूरे प्रदेश में भूजल पुनर्भरण को बढ़ाने के उद्देश्य से एक नई नीति तैयार करने पर विचार कर रही है। यह घोषणा कर्नाटक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी अकादमी द्वारा जल सुरक्षा के लिए सतत भूजल प्रबंधन पर आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन के दौरान की गई। इस कार्यक्रम में बोसराजू ने भूजल स्तर में गिरावट की ओर इशारा किया और इस प्रवृत्ति के लिए बढ़ते शहरीकरण और वनों की कटाई को जिम्मेदार ठहराया।

औद्योगिक, कृषि और घरेलू उद्देश्यों के लिए भूजल पर ऐतिहासिक निर्भरता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि इस महत्वपूर्ण संसाधन में गिरावट से भावी पीढ़ियों के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न हो रहा है। मंत्री बोसराजू के कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में उन्हें उद्धृत करते हुए कहा गया, भूजल का दोहन बढ़ता जा रहा है, जबकि इसे पुनर्भरण करने के प्रयास कम होते जा रहे हैं। शहरी विस्तार के कारण प्राकृतिक पुनर्भरण प्रक्रिया बाधित हो रही है। इन प्रभावों को कम करने के लिए तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है, अन्यथा हमारे उत्तराधिकारियों को इसके परिणाम भुगतने पड़ेंगे।

वर्तमान सूखे ने जल संरक्षण की आवश्यकता को उजागर किया है ऐसे में भूजल के अधिक दोहन को रोकने के लिए, मंत्री ने वर्षा जल संचयन प्रणालियों को लागू करने तथा भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा देने के महत्व को रेखांकित किया।

उन्होंने टिकाऊ पद्धतियों को अपनाने के लिए सामूहिक प्रयास का आह्वान किया और कहा कि भूजल निदेशालय ऐसी नीति पर सक्रियता से विचार कर रहा है जो ऐसी पहलों के लिए प्रोत्साहन प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने भी इस संबंध में रुचि दिखाई है।

अमेजन से मंगाए गए सामान के पार्सल में निकला सांप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलूरु के एक दंपत्ति उस समय हैरान रह गए जब उन्होंने अमेजन से मंगाए गए सामान के पार्सल में सांप देखा। दंपत्ति ने बताया कि सामान की पैकेजिंग के लिए चिपकाने वाली टेप में सांप चिपका हुआ था। संदेह है कि यह कोबरा सांप था। उन्होंने अमेजन से ऑनलाइन ऑर्डर कर 'एक्सबॉक्स कंट्रोलर' मंगाया था। सरजापुर के रहने वाले यह दंपत्ति आईटी पेशेवर हैं। नाम जाहिर न करने के इच्छुक इस दंपत्ति ने एक वीडियो बनाया जो सोशल मीडिया पर आया है। अमेजन इंडिया के एक प्रवक्ता ने बुधवार को कहा कि कंपनी इस घटना की जांच कर रही है।

प्रवक्ता ने कहा, हमारे ग्राहकों, कर्मचारियों और सहयोगियों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हम ग्राहकों को भरोसेमंद खरीदारी का अनुभव देने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं और उनके लिए चीजों को सही बनाने के लिए हर संभव प्रयास करना हमारी प्रतिबद्धता है। हम ग्राहकों की सभी शिकायतों को गंभीरता से लेते हैं और इस घटना की भी जांच कर रहे हैं। दंपत्ति ने बताया कि उन्होंने हाल ही में अमेजन से एक 'एक्सबॉक्स कंट्रोलर' ऑर्डर किया था, लेकिन उन्हें पार्सल में से एक जिंदा सांप मिला। उन्होंने एक बयान में दावा किया, पार्सल की डिलीवरी करने आए व्यक्ति ने हमें सीधे सामान सौंप दिया था। इसे बाहर नहीं रखा गया था। हम सरजापुर रोड पर रहते हैं और हमने पूरी घटना को कैमरे में रिकॉर्ड कर लिया। हमारे पास इसके प्रत्यक्षदर्शी भी हैं।

दंपति ने कहा, सांप संभवतः स्पेक्टेकल्ड कोबरा (नाजा नाजा) है, जो कर्नाटक में पाया जाने वाला सबसे विषैला सांप है। दंपति ने बताया कि सांप पार्सल को बंद करने वाले टेप से चिपका हुआ था। उन्होंने बताया कि सांप ने उनके घर या अपार्टमेंट में किसी को नुकसान नहीं पहुंचाया है। दंपति ने बताया कि उन्हें अपने ऑर्डर के बदले पूरा पैसा वापस मिल गया है, लेकिन उन्हें आश्चर्य है कि 'अत्यधिक विषैले सांप के साथ अपनी जान जोखिम में डालने के बदले उन्हें क्या मिला।' उन्होंने आरोप लगाया, यह स्पष्ट रूप से सुरक्षा उल्लंघन है जो केवल अमेजन की लापरवाही और उनके खराब परिवहन, गोदाम की स्वच्छता एवं रखरखाव में कोताही के कारण हुआ है।

बधाई

बेंगलूरु में बुधवार को समाज कल्याण विभाग और कर्नाटक एसोसिएशन ऑफ रेजिडेंशियल एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस द्वारा आयोजित प्रतिभा पुरस्कार के दौरान मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने एसएसएलसी और पीयूसी टॉपर्स को बधाई दी।

रेणुकास्वामी हत्याकांड

'दर्शन फैन क्लब पर है पुलिस की नजर'

पुलिस अधिकारी ने कहा, अपने धनबल एवं प्रभाव से दर्शन उन्हें बचा रहे थे। जब कभी दर्शन की फिल्म रिलीज होती है तो इस 'फैन क्लब' के सदस्यों को इन फिल्मों के वास्ते बॉक्स ऑफिस पर अनुकूल माहौल तैयार करने के लिए दर्शन और फिल्म निर्माता को कथित रूप से भारी-भरकम रकम देते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। रेणुकास्वामी हत्याकांड की जांच कर रही कर्नाटक पुलिस की नजर अब कन्नड़ अभिनेता दर्शन थूगुदीप के 'फैन क्लब्स' पर है। इस हत्याकांड में कन्नड़ अभिनेता और उनकी दोस्त पवित्रा गौड़ा को 15 अन्य लोगों के साथ गिरफ्तार किया गया है। अभिनेता के प्रशंसक रेणुकास्वामी को उसके गृहनगर चित्रदुर्ग से 'क्लब' का एक प्रमुख सदस्य अगवा कर बेंगलूरु ले आया था। यहां रेणुकास्वामी का उत्पीड़न किया गया एवं उसकी हत्या कर दी गयी और नौ जून को उसका शव मिला था।

पुलिस सूत्रों के अनुसार रेणुकास्वामी ने गौड़ा को अश्लील संदेश भेजे थे जिससे अभिनेता नाराज हो गये थे, फलस्वरूप उसकी (रेणुकास्वामी) कथित रूप से हत्या कर दी गयी। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, खासकर रेणुकास्वामी हत्याकांड के बाद 'फैन क्लब्स' की भूमिका बड़ा संदिग्ध है। चित्रदुर्ग दर्शन 'फैन क्लब' के संयोजक राघवेंद्र उर्फ रघु एवं उसके साथियों की भूमिका रेणुकास्वामी के अपहरण में अहम थी। उनके अनुसार पुलिस पूरे राज्य में 'दर्शन फैन क्लब्स' के प्रमुख सदस्यों और उनकी गतिविधियों की 'जांच-परख' कर रही है क्योंकि उनपर कुछ असामाजिक तत्वों को प्रश्रय देने का संदेह है। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने कहा, अपने धनबल एवं प्रभाव से दर्शन उन्हें बचा रहे थे। पुलिस सूत्रों ने कहा कि जब कभी दर्शन की फिल्म रिलीज होती है तो इस 'फैन क्लब' के सदस्यों को इन फिल्मों के वास्ते बॉक्स ऑफिस पर अनुकूल माहौल तैयार करने के लिए दर्शन और फिल्म निर्माता, निर्देशक एवं 'फाइनेंसर' (फिल्म में पैसा लगाने वाले) कथित रूप से भारी-भरकम रकम देते हैं। सूत्रों का कहना है कि दर्शन की फिल्मों से प्राप्त होने वाली कमाई में अच्छी हिस्सेदारी के लिए ये फैन क्लब उनकी फिल्मों की सफलता के लिए जी-तोड़ कोशिश करते हैं। सूत्रों के मुताबिक विभिन्न जिलों में उनके बीच प्रतिस्पर्धा होती है। सूत्रों ने कहा, यह भी देखा गया कि जब दर्शन की फिल्में और उनके प्रतिद्वंद्वी अभिनेता की फिल्में साथ रिलीज होती है तब (दर्शन के) इन फैन क्लब के सदस्य दूसरे अभिनेता के फैन क्लब के सदस्यों से भिड़ जाते हैं।

तमिलनाडु में करंट लगने से नर हाथी की मौत

इरोड। तमिलनाडु के इरोड जिले के अंतियुर वन क्षेत्र में 12 वर्षीय एक नर हाथी की करंट लगने से मौत हो गई। वन अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अंतियुर के वन अधिकारियों के अनुसार, ग्रामीणों ने मंगलवार शाम को थूका नाइकेन पलायम के पास करुमपराई वन क्षेत्र में एक हाथी को मृत पड़ा देखा। वन अधिकारियों की एक टीम मौके पर पहुंची और हाथी की जांच की। उनको संदेह है कि हाथी की मौत करंट लगने से हुई होगी। अधिकारियों ने बताया कि इस क्षेत्र में किसानों ने अपनी फसल को जानवरों से बचाने के लिए खेतों में लगी बाड़ में करंट की व्यवस्था कर रखी है।

सेंथिल बालाजी की न्यायिक हिरासत अवधि 25 तक बढ़ाई गई

चेन्नई। चेन्नई की एक सत्र अदालत ने बुधवार को तमिलनाडु के पूर्व मंत्री वी. सेंथिल बालाजी की न्यायिक हिरासत 25 जून तक बढ़ा दी। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के वरिष्ठ नेता बालाजी को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धनशोधन के एक मामले में 14 जून, 2023 को गिरफ्तार किया था। अभियोजन पक्ष ने केंद्रीय पुझल जेल से वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये सेंथिल बालाजी को प्रधान सत्र न्यायाधीश एस. अल्ली के समक्ष पेश किया। सुनवाई के बाद सत्र न्यायाधीश ने उनकी न्यायिक हिरासत 25 जून तक बढ़ा दी। वस्तुत: महिला न्यायाधीश एस. अल्ली ने 14 जून को कहा था कि वह सेंथिल बालाजी की याचिका पर बुधवार को आदेश पारित करेंगी, जिसमें पूर्व मंत्री ने इस मामले में आरोप-मुक्त का अनुरोध किया था। जब यह मामला बुधवार को सुनवाई के लिए आया तो सेंथिल बालाजी ने तीन और याचिकाएं दायर कीं।

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो)
इसरो टेलिमेट्रि ट्रैकिंग एवं कमांड नेटवर्क (इस्ट्रैक)
(निर्माण एवं अनुरक्षण प्रभाग)
प्लांट नं. 12 एवं 13, तीसरा मेन, द्वितीय फेज,
पीन्या औद्योगिक क्षेत्र, बेंगलूरु-560058
फैक्स : 080-28094180, फोन : 080-28094182, 4541.

संक्षिप्त ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, समुचित वर्ग के ठेकेदरों से एनआईटी में निम्न लिखित कार्यों के लिए नग दर ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित किया जाता है।

कार्य का नाम	एमओएक्स परिसर, इस्ट्रैक, पीन्या, बेंगलूरु में लाइट फिटिंग, मौसमरोधी पैनल, एमसीसीबी, केबल की आपूर्ति और बिछाने का कार्य, अर्थिंग प्रदान करने का कार्य।
ई-निविदा सूचना सं	इस्ट्रैक/सीएमजी/ई/एमएआईएनटी/ ई-निविदा-26/2024-25 दिनांक 18.06.2024
निविदा का अनुमानित मूल्य	रु. 17.32 लाख
निविदा दस्तावेज विवरण	ई-निविदा
कार्य समापन अवधि	02 (दो) माह
निविदा प्रलेख डाउनलोड करने की अवधि	20.06.2024 को 16.00 बजे से 05.07.2024 को 16.00 बजे तक
बोली स्पष्टीकरण	21.06.2024 को 11.00 बजे से 06.07.2024 को 16.00 बजे तक
बोली स्पष्टीकरण के जवाब देने की अंतिम तारीख	08.07.2024 को 16.00 बजे तक
निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख और समय	09.07.2024 को 16.00 बजे तक
निविदा खोलने की नियत तारीख और समय	12.07.2024 को 11.00 बजे से
अग्रदाय रकम जमा (ईएमडी)	रु. 34,640/-

पात्रता मानदंड और अन्य ब्यौरे के लिए इच्छुक निविदाकार विस्तृत सूचना आमंत्रण निविदा (एनआईटी) देखें जिसे वेबसाइट www.isro.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है। बोली प्रपत्र औप अन्य ब्यौरे वेबसाइट www.tenderwizard.com/ISRO से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

ह/- समूह प्रमुख-सीएमजी

केरल की स्वास्थ्य मंत्री को कुवैत जाने की अनुमति न देने पर विजयन ने मोदी को पत्र लिखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज को खाड़ी देश में आग की घटना के बाद राहत प्रयासों का समन्वय करने के लिए कुवैत की यात्रा करने की राजनीतिक मंजूरी नहीं देने का मुद्दा उठाया है। मुख्यमंत्री ने 15 जून को प्रधानमंत्री को लिखे अपने पत्र में दावा किया है कि राज्य के स्वास्थ्य मंत्री को यात्रा की मंजूरी न देना 'सहकारी संघवाद के सिद्धांतों के खिलाफ है'। उन्होंने प्रधानमंत्री से अनुरोध किया है कि वह विदेश मंत्रालय को सलाह दें कि भविष्य में वह ऐसे अनुरोधों के प्रति 'अधिक संवेदनशील' रहे।

बुधवार को सार्वजनिक हुए पत्र में मुख्यमंत्री विजयन ने लिखा है कि यह 'अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण' है कि राजनीतिक मंजूरी के अनुरोध पर विदेश मंत्रालय की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली, जिसके चलते स्वास्थ्य मंत्री जॉर्ज कुवैत की यात्रा नहीं कर सकीं।

उन्होंने कहा, अग्निकांड के बाद कुवैत में उनकी उपस्थिति से केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री, अधिकारियों की टीम और दूतावास के साथ संपर्क और समन्वय बनाने में काफी मदद मिलती। इससे इस त्रासदी में प्रभावित परिवारों को मानसिक राहत और आत्मविश्वास मिल सकता था। केरल के मुख्यमंत्री ने कहा कि मुश्किल की इस खड़ी में कोई विवाद खड़ा करने का कोई इरादा नहीं था, लेकिन यदि राजनीतिक मंजूरी के अनुरोध पर विदेश मंत्रालय की ओर से कोई प्रतिक्रिया न मिलने की बात प्रधानमंत्री के ध्यान में नहीं लाई गई, तो राज्य सरकार अपने कर्तव्य को पूरा करने में विफल रहेगी।

उन्होंने कहा, राज्य मंत्रिमंडल के सामूहिक निर्णय की अवहेलना की गई है। 28 फरवरी, 2023 के कैबिनेट सचिवालय के कार्यालय ज्ञापन के अनुसार राजनीतिक मंजूरी का अनुरोध किया गया था।

'आपणो अग्रणी राजस्थान' की नींव में उद्यमियों की महत्वपूर्ण भूमिका : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान में उद्योग की अपार संभावनाएं हैं। एक उद्योग की स्थापना से पूरे क्षेत्र का विकास होता है। उद्यमी न केवल रोजगार प्रदाता है बल्कि आपणो अग्रणी राजस्थान की नींव तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार उद्योगपतियों से प्राप्त सुझावों के आधार पर इस तरह का बजट लाएगी जिसमें राज्य का 2047 तक का विजन शामिल होगा।

शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में बजट पूर्व चर्चा के दौरान उद्योग, व्यापार एवं कर सलाहकार संघों के प्रतिनिधियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पूरे देश के उद्योगपति राज्य में निवेश करने के लिए उत्सुक हैं। राज्य सरकार उद्योगों के लिए इस तरह का वातावरण तैयार करेगी जिसमें उद्योगपति को सभी तरह की सुविधाएं एक ही छत के नीचे मिल सकें। उन्होंने आश्वस्त किया कि राज्य सरकार उद्योगों को अधिक से अधिक प्रोत्साहित कर रोजगार सृजन करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लघु उद्योगों के प्रोत्साहन के लिए 'वोकल फॉर लोकल' अभियान राज्य सरकार की प्राथमिकता है। सरकार लघु एवं कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए कृत संकल्पित है।

बैठक में कुछ उद्यमियों द्वारा उठाई गई बिजली की कमी की समस्या पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने अपने 6 माह के कार्यकाल में ही बिजली आपूर्ति के लिए ऐतिहासिक एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। साथ ही, सौर ऊर्जा एवं कुसुम योजना को भी राज्य सरकार लगातार प्रोत्साहित कर रही है।

इन योजनाओं के धरातल पर उतरने के बाद उद्योगों में बिजली आपूर्ति की समस्या से निजात मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार द्वारा हजारों करोड़ों का घाटा बिजली के क्षेत्र में किया गया। उस सरकार द्वारा अगस्त-सितंबर में बिजली खरीदी गई जिसके फलस्वरूप हमें मई-जून की भीषण गर्मी में उधारी चुकानी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा हाल ही में किए गए निर्णयों से भविष्य में उद्योगों के लिए बिजली की समस्या का समाधान हो पाएगा। शर्मा ने उद्योगपतियों से भी अपील की कि वे उद्योगों में सौर ऊर्जा का अधिक से अधिक उपयोग करें।

मुख्यमंत्री ने उद्योगपतियों को संबोधित करते हुए कहा कि आपका इस क्षेत्र में वृहद अनुभव है। उद्योगपति किसी एक उद्योग के बारे में सुझाव देने के साथ ही राज्य में औद्योगिक विकास को बेहतर बनाने के लिए भी सुझाव दें जिससे राजस्थान प्रगतिशील, विकसित तथा औद्योगिक दृष्टि से समृद्ध बन सके। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का हर संभव प्रयास रहेगा कि राज्य में स्थापित उद्योग की प्रत्येक इकाई अग्रणी बने। राज्य सरकार अपनी नीति, कार्यक्रमों एवं योजनाओं के माध्यम से उद्योगपति एवं व्यापारियों के हितों का संरक्षण करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न व्यापारिक एवं औद्योगिक संगठनों से प्राप्त सुझाव लाभकारी हैं तथा इनका परीक्षण कर उचित सुझावों को परिवर्तित बजट में शामिल करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार औद्योगिक विकास को गति देने के लिए आगे भी उद्यमियों के साथ लगातार संवाद बनाए रखेगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि राज्य में उद्योग एवं निवेश को प्रोत्साहन देने में किसी भी तरह की कमी नहीं होने दी जाएगी।

उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री दीया कुमारी ने कहा कि राज्य के औद्योगिक विकास के लिए सरकार एवं उद्योगपति मिलकर काम करेंगे तथा राज्य को इंडस्ट्री हब बनाया जाएगा। उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि हमारा लक्ष्य है ईज ऑफ डूइंग बिजनेस हो। साथ ही, उद्योगों की लागत कम हो जिससे अधिक से अधिक रोजगार सृजन हो सके। उद्योग राज्य मंत्री के. के. विश्नोई ने कहा कि उद्यमियों के अनुभवों एवं सुझावों का लाभ लेते हुए राज्य को औद्योगिक रूप से समृद्ध बनाया जाएगा।

बैठक में उद्योगपतियों ने मुख्यमंत्री की विकसित 2047 की परिकल्पना की तारीफ की। साथ ही, सरकार द्वारा उद्योगों के हित में लिए गए लगातार निर्णयों के लिए भी धन्यवाद दिया। बैठक में सीआईआई, फोर्टी, यूकोरी, एसौचेम, ज्वैलर्स एसोसिएशन, राजस्थान टैक्स बार एसोसिएशन, राजस्थान लघु उद्योग महासंघ, कोटा इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधि तथा मार्बल, टेक्सटाइल, होटल, सिनेमा, वेयरहाउस, स्टील, प्लास्टिक, बिल्डर्स, डवलपर्स, ऑयल, सीमेंट सहित विभिन्न क्षेत्रों की संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने अपने सुझाव प्रस्तुत किए। इस दौरान अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोरा, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल एवं प्रमुख सचिव आलोक गुप्ता, संबंधित विभागीय अधिकारी एवं उद्योग और व्यापारी संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद थे।

जल्द से जल्द नियम बनाकर 'स्वास्थ्य का अधिकार' लागू करे सरकार : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार से 'स्वास्थ्य का अधिकार' के नियम जल्द से जल्द बनाकर लागू करने की मांग की है और उन्होंने कुछ चिकित्सकों द्वारा 'चिरंजीवी योजना' को कथित तौर पर विफल बताए जाने की आलोचना की। गहलोत ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, हमारी सरकार ने 'राइट टू हेल्थ' का कानून बनाया ताकि आपातकालीन परिस्थितियों में नि:शुल्क इलाज हो सके। वर्तमान सरकार को चिकित्सकों के संघों को विश्वास में लेकर 'राइट टू हेल्थ' के नियम जल्द से जल्द बनाकर लागू करने चाहिए जिससे राजस्थान के हर निवासी को इलाज का अधिकार मिले।

कुछ मीडिया खबरों के अनुसार मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ

बजट पूर्व समीक्षा में कुछ निजी चिकित्सकों ने पूर्ववर्ती गहलोत सरकार की आलोचना की थी। इस पर पलटवार करते हुए गहलोत ने कहा, बजट पूर्व चर्चा में किसी चिकित्सक द्वारा मेरे ऑपरेशन पर तथ्यात्मक रूप से दिया गया गलत बयान मीडिया के माध्यम से जानकारी में आया है। मेरा हर्निया का ऑपरेशन फरवरी 2019 में हुआ था जबकि चिरंजीवी योजना मई 2021 से शुरू हुई थी।

गहलोत ने कहा, मेरी आर्टरी में ब्लॉकेज, पैरों के अंगूठों में फ्रैक्चर एवं कोविड के बाद हैप्पी हाइपोक्सिया होने पर इसका इलाज जयपुर के एसएमएस अस्पताल में ही हुआ जिसके कारण मैं वहां कुछ दिन भर्ती भी रहा और सरकारी योजनाओं का लाभ लेकर ही इलाज करवाया।

उन्होंने कहा, चिरंजीवी योजना से लाखों लोगों के जीवन में सुधार हुआ है। अगर ये योजना न होती तो न जाने कितने गरीबों और मध्यम वर्गीय परिवारों की जमीन-जायदाद इलाज के लिए बिक जाती। निजी अस्पतालों के कुछ चिकित्सकों को ऐसा असत्य बोलकर एक अच्छी योजना एवं मेडिकल जैसे पवित्र पेशे को बदनाम करने से बचना चाहिए।

जल संकट बड़ी चुनौती, संरक्षण के लिए शैक्षिक क्षेत्र में हो पहल : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र ने जल संकट को बड़ी चुनौती बताते हुए बुधवार को कहा कि जल संरक्षण के प्रति जागरूकता हेतु शैक्षिक क्षेत्र में पहल हो। वह यहां राजस्थान विश्वविद्यालय के 33वें दीक्षांत समारोह और वहां निर्मित संविधान पार्क के लोकार्पण पश्चात आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के समक्ष मानवीय मूल्य बचाए रखने की आज बड़ी चुनौती है। उनका कहना था कि अंधाधुंध जल-दोहन से राजस्थान ही नहीं, देशभर में जल संकट की स्थितियां बन रही हैं, ऐसे में विश्वविद्यालय इन चुनौतियों के आलोक में शैक्षिक पहल करे।

उन्होंने कहा कि वही शिक्षा सार्थक है जो विद्यार्थी को पाठ्यपुस्तकों के साथ परिवेश की समझ से जोड़े। उन्होंने कहा कि रटंत शिक्षा डिग्री प्रदान कर सकती है पर जीवन में आगे नहीं बढ़ा सकती। आधिकारिक बयान के अनुसार, मिश्र ने सभी विश्वविद्यालयों को नई शिक्षा नीति को पूरी तरह से अपने यहां लागू करने और ऐसे पाठ्यक्रम बनाने पर जोर दिया जिनसे भारत विकास की राह पर तेजी से अग्रसर हो सके।

उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाली नई पीढ़ी संविधान के मर्म को समझे, इसी उद्देश्य से राजभवन की पहल पर विश्वविद्यालयों में संविधान पार्क निर्मित करने की पहल हुई है। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय युवाओं को समय और अधुनातन आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करें ताकि वे देश के मूल्यवान नागरिक बन सके। उपमुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने राज्य सरकार द्वारा उच्च शिक्षा के लिए किये जा रहे प्रयासों की जानकारी देते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. अल्पना कटेजा ने विश्वविद्यालय का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर राज्यपाल एवं कुलाधिपति मिश्र ने विश्वविद्यालय में अध्ययन करने वाले एक लाख, 66 हजार, 139 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान कीं। विभिन्न संकायों के 467 विद्यार्थियों को पी एच डी की उपाधि एवं विभिन्न परीक्षाओं में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले 126 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए।

वन मंत्री ने राजस्थान राज्य वन विकास निगम के कार्यों की पहली समीक्षा बैठक ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री संजय शर्मा की अध्यक्षता में बुधवार को शासन सचिवालय में राजस्थान राज्य वन विकास निगम के कार्यों के प्रगति की पहली वार्षिक जनरल बॉडी एवं आठवीं बोर्ड ऑफ डाइरेक्टर्स की बैठक आयोजित की गई। मंत्री संजय शर्मा ने निगम की आगामी पांच वर्षों की कार्य योजना बनाकर गतिविधियां शुरू करने के निर्देश दिये। उन्होंने निगम की नई प्रस्तावित गतिविधियों में वाणिज्य नर्सरी की स्थापना के लिए विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर कार्य को तय समय में पूर्ण करने के निर्देश दिए । उन्होंने निगम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे एवं अन्य अवश्कताओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए । उन्होंने राज्य वन निगम के आय के स्रोतों को बढ़ाने के लिए इको-ट्यूरिज्म को बढ़ावा देने कि योजना का विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाकर कर ऐसे स्थलों, जो ईको-ट्यूरिज्म की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं, का जल्द से जल्द विकास करने का सुझाव दिया ताकि पर्यटन से निगम की आय बढ़ सके।

विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती अपर्णा अरोड़ा ने राज्य वन विकास निगम के गत तीन वर्षों के राजस्व लेखा जोखा की समीक्षा करते हुए कहा कि निगम की वर्तमान गतिविधियों गंग-भाखडा नहर के साथ पेड़ों की कटाई एवं पुन: रोपण, बाँस की कटाई एवं वृक्षारोपण, जूलीफ्लोरा के उन्मूलन के कार्यों को प्रभावी रूप से करने के निर्देश दिए। उन्होंने निगम की आय के स्रोत बढ़ाने के लिए नवाचार एवं अन्य गतिविधियों को शामिल करने के भी निर्देश दिए। निगम के मैनेजिंग डायरेक्टर उदय शंकर ने वन मंत्री को पावर पॉइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से राज्य वन विकास निगम की संरचना, कार्यप्रणाली, वर्तमान में चल रही गतिविधियों एवं प्रस्तावित नई गतिविधियों के बारे में विस्तार से अवगत कराते हुए कार्यों की प्रगति के बारे में जानकारी दी। बैठक में वन मंत्री संजय शर्मा को वन निगम के अध्यक्ष पद पर नियुक्ति एवं अन्य बोर्ड मेंबर्स की नियुक्ति के प्रस्तावों का अनुमोदन किया गया।

साथ ही निगम के सुचारु संचालन के लिए शेड्यूल ऑफ पावर्स से संबंधित सभी बिन्दुओं पर चर्चा कर अनुमोदन किया गया। बैठक में प्रधान मुख्य वन संरक्षक (हॉफ) अरिजीत बनर्जी,जनजातीय विभाग आयुक्त श्रीमती प्रज्ञा केवलरमणि,सेटलमेंट कमिशनर नरेंद्र गुप्ता अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक मुख्यालय अरुण प्रसाद एवं वन विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

विधान सभा में सामूहिक योग कल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस (21 जून) पर प्रदेशवासियों को बधाई एंव शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि स्वयं और समाज के लिए योग करें। योग का अर्थ जीवन में संतुलन है। योग स्वयं और समाज के मध्य संतुलन बनाने का बेहतर माध्यम है। योगासन भारत की प्राचीन विधि है, जो शरीर, मन और आत्मा के मध्य संतुलन स्थापित करने के लिए प्रयुक्त की जाती है। योग के माध्यम से शरीर की ऊर्जा को नियन्त्रित और संतुलित किया जाता है।

विधान सभा अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि सभी मिल-जुलकर स्वस्थ भारत की रचना करें। उन्होंने कहा कि शरीर, मन और मस्तिष्क स्वस्थ रहेंगे तब ही राष्ट्र की उन्नति होगी। राष्ट्र को स्वस्थ बनाने के लिए योग, यज्ञ और संतुलित आहार को आचरण में लाएं। भारत विश्व गुरु है। भारत की परम्पराएं समृद्ध हैं। सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दृष्टि से राष्ट्र समृद्ध है। निरोगी राष्ट्र बनाने के लिए योग को जीवन का अंग बनाना होगा। योग स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। इस मशीनी युग में बदलती जीवन शैली के लिए योग की आवश्यकता बढ गई है।

देवनानी ने कहा है कि योग इंसान को शारीरिक और मानसिक सुकून देकर मन की एकाग्रता को बढाता है और तनाव को कम करने में मददगार होता है। यह दुनिया और स्वंय को बेहतर तरीके से समझने और नई सोच के साथ नये काम को शुरू करने के लिए आत्मविश्वास पैदा करता है। देवनानी ने कहा कि योग सिर्फ आसन नहीं है। यह जीवन दर्शन है। शारीरिक विकास के साथ मानसिक विकास को भी योग एकाग्र की दिशा तय करने में सहयोगी है।

देवनानी ने कहा है कि योग दिवस पर सभी लोग योग करके समाज में आपसी सदभाव निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभायें। एक-दूसरे के सुख-दुख में भागीदार बनकर बहुआयामी विकास के पथ पर प्रदेश को आगे बढाये। देवनानी ने कहा कि अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस प्रतिवर्ष 21 जून को मनाया जाता है। यह दिन उत्तरी गोलार्ध में वर्ष का सबसे लम्बा दिन होता है। योग भी मनुष्य को दीर्घायु बनाता है।

सिकल सेल उन्मूलन के लिए समन्वित प्रयासों की जरूरत : खराड़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने कहा कि सिकल सेल बीमारी के बारे में कुछ समय पहले तक कोई नहीं जानता था, लेकिन यह बीमारी बड़े पैमाने पर लोगों को प्रभावित किए हुए हैं। खास कर जनजाति क्षेत्रों में इसका प्रकोप अधिक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिकल सेल उन्मूलन का बीड़ा उठाया है। विकसित भारत 2047 के लक्ष्यों में सिकल सेल उन्मूलन को भी शामिल किया गया है। इससे इस बीमारी की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। सिकल सेल उन्मूलन के लिए जनजागृति और समन्वित प्रयासों की आवश्यकता है।

खराड़ी बुधवार को उदयपुर जिले के महाराणा भूपाल राजकीय चिकित्सालय परिसर स्थित न्यू ऑडिटोरियम में आरएनटी मेडिकल कॉलेज और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर सिकल सेल के तत्वावधान में विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है। स्वच्छता से ही स्वास्थ्यवर्धन संभव है। इसी सोच के साथ स्वच्छ भारत मिशन शुरू किया गया था। इसके परिणाम स्वरूप बीमारियों में कमी आई है। उन्होंने कहा कि चिकित्सक समाज की सबसे महत्वपूर्ण इकाई है। चिकित्सक अपनी जिम्मेदारी का बहुत अच्छी तरह से निर्वहन कर रहे हैं।

सिकल सेल को लेकर भी आमजन को जागरूक करने की आवश्यकता है। केबिनेट मंत्री खराड़ी ने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर सिकल सेल के पृथक भवन के लिए प्रस्ताव भिजवाने की बात कहते हुए हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि पैसा जनता का है और जनता के काम आना चाहिए। यह बीमारी सर्वाधिक जनजाति क्षेत्र में व्याप्त है तो उसके निराकरण के लिए जितना भी सहयोग किया जाए कम है।

विशिष्ट अतिथि सांसद डॉ. मन्नालाल रावत ने कहा कि सिकल सेल का सर्वाधिक प्रभाव 0 से 40 वर्ष आयु वर्ग में है। यही पीढ़ी है जिस पर आर्थिक, सामाजिक सभी तरह की गतिविधियों की जिम्मेदारी है। यह पीढ़ी तो देश की मूल ताकत है। सिकल सेल जैसी बीमारी को समय पर नियंत्रित करना जरूरी है। इसी दूरगामी सोच के साथ प्रधानमंत्री जी ने सिकल सेल उन्मूलन को मिशन के रूप में लिया है। उन्होंने सिकल सेल को लेकर जागरूकता कार्यक्रम बनाने और उसमें गांव स्तर के युवाओं का सहयोग लेने का आह्वान किया। उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन ने स्वयं का उदाहरण देते हुए राजकीय अस्पतालों की कार्यप्रणाली पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आमजन में अभी भी संशय है कि सरकारी अस्पताल में इलाज ठीक से नहीं होता। इस भ्रांति को दूर करने की जरूरत है।

जिला कलक्टर अरविंद पोसवाल ने सिकल सेल को लेकर उदयपुर जिले में हुए काम की प्रशंसा करते हुए कहा कि उदयपुर जिले को 3 वर्ष में 12 लाख लोगों की स्क्रीनिंग का लक्ष्य मिला था। इसके मुकाबले 3 माह में ही 7 लाख लोगों की स्क्रीनिंग हो चुकी है। उन्होंने सिकल सेल के संबंध में व्यापक जनजागृति पर जोर दिया। उन्होंने आरएनटी मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य को आगामी समय में पंचायती राज जनप्रतिनिधियों के लिए भी सिकल सेल अवेयरनेस कार्यशालाएं आयोजित करने का सुझाव दिया, ताकि गांव स्तर तक इस बीमारी के बारे में जागरूकता लाई जा सके।

कार्यशाला के दौरान जनजाति मंत्री खराड़ी सहित अन्य अतिथियों ने आरएनटी मेडिकल कॉलेज के नवाचार सेतु- (रैपिड रेफरल रेड्रेसल सिस्टम/एक त्वरित रेफरल निवारण प्रणाली) के क्यूआर कोड पोस्टर का विमोचन करते हुए शुभारंभ किया। आरएनटी प्राचार्य डॉ. विपिन माथुर ने सेतु के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि यह एक अत्याधुनिक पहल है जो रोगियों को बेहतर और शीघ्र चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए डिज़ाइन की गई है।

योजनाओं का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाएं : कुमावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग मंत्री जोराराम कुमावत ने बुधवार को पाली विधानसभा क्षेत्र के खीमाड़ा ग्राम में स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में विधायक कोष से निर्मित विभिन्न कार्यो का लोकार्पण किया। इस मौके पर मंत्री कुमावत ने विधालय के खेल मैदान की सुरक्षा दीवार का उद्घाटन कर कहा कि राज्य सरकार की हर योजना आमजन तक पहुंचे इसके लिए सरकार पूर्णतया प्रयासरत है। विद्यालय में सुरक्षा दीवार नहीं होने के कारण आए दिन विद्यालय प्रबंधन को विभिन्न प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता था लेकिन अब इसके निर्माण से काफी हद तक राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत बालिकाओं के लिए शौचालय निर्माण करवाया जाएगा साथ ही ग्रामीणों को पेयजल के लिए किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो इसके लिए जल जीवन मिशन योजना के तहत नई पाइप लाइन डालने के साथ ही क्षतिग्रस्त पाइपलाइनों का दुरुस्तीकरण किया जाएगा। पशुपालन मंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में पेड़ों की कटाई के कारण पर्यावरण संतुलन बिगड़ गया है जिसे अधिक से अधिक पौधरोपण करके ही संतुलित किया जा सकता है।

चिकित्सा मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को किया अलर्ट, पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने चिकित्सा विभाग के अधिकारियों एवं कार्मिकों को आगामी मानसून में मौसमी बीमारियों की प्रभावी रोकथाम को लेकर अलर्ट किया है। उन्होंने कहा है कि राजधानी से लेकर गांव-ढाणी तक मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं। किसी भी स्तर पर कोई कमी नहीं रहे।

खींवसर बुधवार को स्वास्थ्य भवन में मौसमी बीमारियों से बचाव की तैयारियों को लेकर वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में जुलाई माह में मानसून आने की संभावना है। इसे देखते हुए मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया आदि मौसमी बीमारियों से बचाव, अतिवृष्टि की स्थिति में जलभराव, चिकित्सा संस्थानों में आवश्यक मरम्मत कार्यों सहित आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर की जाए।

चिकित्सा मंत्री ने कहा कि संयुक्त निदेशक जोन एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी फील्ड में जाकर तैयारियों की प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें। बारिश शुरू होने से पहले सभी चिकित्सा संस्थानों में दवा, जांच, उपचार सहित अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने कहा कि नियंत्रण कक्षों का सुचारू संचालन हो। रेपिड रेस्पॉन्स टीमें अलर्ट रहें। जिला प्रशासन एवं संबंधित विभागों के साथ बेहतर तालमेल रखा जाए। खींवसर ने कहा कि लू-तापघात से बचाव के लिए विभागीय अधिकारियों एवं कार्मिकों ने प्रभावी इंतजाम सुनिश्चित किए, जिसके कारण प्रदेश में हीटवेव जनित बीमारियों से लोगों को तत्काल राहत मिल सकी और मौतों की संख्या को नियंत्रित किया जा सका। उन्होंने कहा कि मानसून के दौरान भी इसी तरह संकल्पित भाव से काम कर आमजन को राहत पहुंचाएं।

प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार के राजगीर में प्राचीन नालंदा के अवशेषों का अवलोकन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राजगीर (बिहार)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की सूची में शामिल प्राचीन नालंदा के खंडहरों का बुधवार को दौरा किया।

प्राचीन नालंदा के खंडहरों में मठ और शिक्षण संस्थान के पुरातात्विक अवशेष शामिल हैं। इसमें स्तूप, मंदिर, विहार (आवासीय और शैक्षणिक भवन) तथा प्लास्टर, पत्थर और धातु से बनी महत्वपूर्ण कलाकृतियां शामिल हैं। नालंदा भारतीय उपमहाद्वीप का सबसे प्राचीन विश्वविद्यालय है। प्रधानमंत्री आज यहां नालंदा विश्वविद्यालय के नए परिसर का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री के नालंदा दौरे के मद्देनजर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण पटना सर्किल की अधीक्षण पुरातत्वविद् गौतमी भट्टाचार्य ने प्रधानमंत्री को प्राचीन खंडहरों के बारे में जानकारी दी। मोदी ने नालंदा दौरे से पहले सुबह सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, '' यह हमारे शिक्षा क्षेत्र के लिए बहुत खास दिन है। आज राजगीर में नालंदा विश्वविद्यालय के नए परिसर का उद्घाटन किया जाएगा। नालंदा का हमारे गौरवशाली अतीत से गहरा नाता है। यह विश्वविद्यालय निश्चित रूप से युवाओं की शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करने में बहुत मददगार साबित होगा।'' विश्वविद्यालय का नया परिसर नालंदा के प्राचीन खंडहरों के स्थल के करीब है। इस परिसर की स्थापना नालंदा विश्वविद्यालय अधिनियम, 2010 के माध्यम से की गई थी। इस अधिनियम में विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए 2007 में फिलीपीन में आयोजित दूसरे पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में लिए गए एक निर्णय को लागू करने का प्रावधान किया गया था। नालन्दा विश्वविद्यालय की स्थापना पाँचवीं शताब्दी में हुई थी जिसने दुनिया भर से छात्रों को आकर्षित किया था। विशेषज्ञों के अनुसार, 12वीं शताब्दी में आक्रमणकारियों द्वारा नष्ट किए जाने से पहले यह प्राचीन विश्वविद्यालय 800 वर्षों तक फलता-फूलता रहा। नए विश्वविद्यालय ने 2014 में 14 छात्रों के साथ एक अस्थायी स्थान पर काम करना शुरू किया। विश्वविद्यालय का निर्माण कार्य 2017 में शुरू हुआ।

इस विश्वविद्यालय में भारत के अलावा 17 अन्य देशों.. ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, भूटान, ब्रुनेई, दारुस्सलाम, कंबोडिया, चीन, इंडोनेशिया, लाओस, मॉरीशस, म्यांमा, न्यूजीलैंड, पुर्तगाल, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया, श्रीलंका, वियतनाम और थाईलैंड की भागीदारी है। इन देशों ने विवि के समर्थन में समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं। विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय छात्रों को 137 छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है।

नालंदा विश्वविद्यालय के विस्तार में राज्य सरकार की मदद की जरूरत पड़ती है तो हम तैयार हैं : नीतीश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राजगीर (बिहार)/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को कहा कि नालंदा विश्वविद्यालय के विस्तार में अगर राज्य सरकार की मदद की जरूरत पड़ेगी तो राज्य सरकार पूरी तरह से इसके लिए तैयार है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा यहां ऐतिहासिक नालंदा विश्वविद्यालय के नए परिसर का उद्घाटन किये जाने के अवसर पर अपने संबोधन में नीतीश कुमार ने कहा, इसके विस्तार में अगर राज्य सरकार की मदद की जरूरत पड़ेगी तो हमलोग पूरी तरह से इसके लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि बहुत खुशी की बात है कि आज नालंदा विश्वविद्यालय का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''वह पहली बार राजगीर पधारे हैं। मैं उनका स्वागत करता हूं। प्रधानमंत्री जी ने पौराणिक नालंदा विश्वविद्यालय का पूरा भ्रमण करके देखा है। आपने देखा कि पुराने विश्वविद्यालय का कैंपस कितना बड़ा था। पुराने समय में आसपास के 20-25 किलोमीटर तक के गांव यहां से जुड़े रहते थे।''

मुख्यमंत्री ने नालंदा विश्वविद्यालय का इतिहास गौरवशाली होने का दावा करते हुए कहा कि इसकी पहचान ज्ञान के केंद्र के रूप में होती थी और प्राचीन काल में यहां 10 हजार विद्यार्थी पढ़ते थे एवं दो हजार शिक्षक हुआ करते थे। उन्होंने कहा कि भारत ही नहीं, बल्कि चीन, जापान, श्रीलंका, तिब्बत और एशिया के कई देशों से लोग यहां पढ़ने आया करते थे तथा 1200 ईस्वी में यह विश्वविद्यालय नष्ट हो गया था।

प्रधानमंत्री ने बिहार को विशेष राज्य का दर्जा क्यों नहीं दिया : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बिहार दौरे के मद्देनजर बुधवार को राज्य से संबंधित कुछ विषयों को लेकर उन पर निशान साधा और सवाल किया कि उन्होंने अपने वादे के मुताबिक बिहार को अब तक विशेष राज्य का दर्जा क्यों नहीं दिया।

कांग्रेस ने 'नीट' परीक्षा में कथित प्रश्नपत्र लीक का विषय उठाते हुए यह भी कहा कि क्या प्रधानमंत्री छात्रों को यह भरोसा दिला सकते हैं कि इस मामले में सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे? पार्टी नेता जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, एक तिहाई प्रधानमंत्री नालंदा विश्वविद्यालय का उद्घाटन करने के लिए बिहार जा रहे हैं। चुनाव अभियान के दौरान हमने उनसे कुछ सवाल पूछे थे। हम आशा करते हैं कि वह अब इनके उत्तर देंगे। उन्होंने सवाल किया, प्रधानमंत्री के वादे के अनुरूप बिहार को विशेष राज्य का दर्ज़ा क्यों नहीं दिया गया? कांग्रेस महासचिव ने कहा, 2014 में जब मोदी प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार थे तब उन्होंने कई बार बिहार को विशेष राज्य का दर्ज़ा देने का वादा किया था। केंद्र की अपनी बहुआयामी ग़रीबी सूचकांक (एमपीआई) रिपोर्ट के अनुसार, बिहार भारत का सबसे ग़रीब राज्य है। राज्य की 52 प्रतिशत आबादी की ठीक से स्वास्थ्य और शिक्षा सुविधा तक पहुंच नहीं है। रमेश ने कहा, दस साल तक केंद्र में और क़रीब 20 साल तक राज्य में शासन करने के बाद भी सरकार विशेष राज्य का दर्जा देने में क्यों नाकाम रही? बिहार की जनता को प्रधानमंत्री क्यों भूल गए? उन्होंने सवाल किया कि पटना विश्वविद्यालय को केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा क्यों नहीं दिया गया? नॉन बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री बिहार के युवाओं की दुर्दशा को नज़रअंदाज़ कर रहे हैं?

खरगे ने बिरला और धनखड़ को पत्र लिखा, महापुरुषों की प्रतिमाएं मूल स्थान पर लाने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को पत्र लिखकर आग्रह किया कि संसद परिसर में महात्मा गांधी, बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर और कई अन्य महापुरुषों की प्रतिमाओं को उस पुराने स्थल पर फिर से स्थापित किया जाएं जहां से हटाकर उन्हें दूसरे स्थान पर ले जाया गया है।

लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा सभापति को संबोधित अपने पत्र में उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय नेताओं की प्रतिमाओं को बिना किसी परामर्श के ''मनमाने ढंग से'' एक अलग कोने में स्थानांतरित कर दिया गया है और यह लोकतंत्र की मूल भावना का उल्लंघन है। उनका कहना है, ''मैं सबसे पहले इस बात पर जोर देना चाहता हूं कि इन मूर्तियों को मनमाने ढंग से, बिना किसी परामर्श के हटाना, हमारे लोकतंत्र की मूल भावना का उल्लंघन है। इसका उल्लेख करने की आवश्यकता नहीं है कि पूरे विचार-विमार्श के बाद महात्मा गांधी, बाबासाहेब आंबेडकर और अन्य राष्ट्रीय नेताओं की मूर्तियां स्थापित की गई थीं।''

राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष खरगे ने लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा सभापति को अलग-अलग भेजे गए अपने पत्र में कहा कि संसद परिसर में प्रतिमाओं के स्थान का अत्यधिक मूल्य और महत्व है।

कश्मीर में योग दिवस से पहले कई कार्यक्रम आयोजित, प्रधानमंत्री मोदी करेंगे मुख्य समारोह का नेतृत्व

श्रीनगर/भाषा। कश्मीर घाटी में बुधवार को योग दिवस कार्यक्रमों की शुरुआत हो गई और 21 जून को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में होने वाले मुख्य समारोह से पहले कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

प्रधानमंत्री मोदी बृहस्पतिवार को कश्मीर आएंगे और शुक्रवार को सुबह यहां प्रसिद्ध डल झील के निकट एसकेआईसीसी में आयोजित अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम का नेतृत्व करेंगे।

अधिकारियों ने बताया कि मुख्य समारोह से पहले शहर और घाटी में कई स्थानों पर योग कार्यक्रम आयोजित किये गये। उन्होंने बताया कि यहां लाल चौक में प्रतिष्ठित घंटाघर के पास एक योग कार्यक्रम आयोजित किया गया। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में छात्रों के एक समूह ने विभिन्न योग आसनों का प्रदर्शन किया।

अधिकारियों ने कहा कि दसवें योग दिवस के मौके पर यहां एसकेआईसीसी में एक योग कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। घाटी में कई स्थानों पर इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित किए गए।

अधिकारियों ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के लिए सुरक्षा व्यवस्था भी बढ़ा दी गई है।

श्रीनगर पुलिस ने एक्स पर कहा, ड्रोन नियम, 2021 के नियम 24(2) के प्रावधानों के अनुसार, श्रीनगर में ड्रोन के इस्तेमाल पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है।

घर बैठे कमाई का झांसा देकर 20.54 लाख रुपये की ठगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नोएडा/भाषा। घर बैठे काम करके लाखों रुपये कमाने का झांसा देकर साइबर ठगों ने एक व्यक्ति से कथित रूप से 20,54,464 रुपये की ठगी कर ली। पीड़ित ने मामले की शिकायत साइबर अपराध थाने में की है। सहायक पुलिस आयुक्त (साइबर अपराध) विवेक रंजन राय ने बताया कि शिकायत में ग्रेटर नोएडा निवासी संदीप कुमार ने बताया कि बीते दिनों उनके मोबाइल पर एक संदेश आया जिसमें घर बैठे काम कर लाखों रुपये प्रतिमाह कमाने की बात कही गई।

शिकायत के अनुसार उन्हें 'गूगल मैप' पर होटलों की रेटिंग कर पैसे कमाने की बात कही गई और शुरुआत में इस काम के लिए पैसे भी दिए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके बाद बड़ा निवेश कर अधिक कमाने का झांसा दिया गया और उन्होंने 50 हजार रुपये की रकम निवेश की। शिकायत में दावा किया गया है कि जब पीड़ित ने लाभ समेत अपनी रकम निकालनी चाही तो आरोपियों ने पांच लाख रुपये और निवेश करने के बाद ही पैसे वापस मिलने की बात कही। पीड़ित ने आरोप लगाया कि इसके बाद ठगों ने कई बार में उनसे 20 लाख 54 हजार 464 रुपये जमा करा लिए। उन्होंने आरोपियों पर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है। इस मामले में पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात जालसाजों के खिलाफ धोखाधड़ी और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

सरकार ने वाराणसी हवाई अड्डे के विकास के लिए 2,869 करोड़ रु. मंजूर किए

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को वाराणसी में लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के विस्तार के लिए 2,869.65 करोड़ रुपये के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी।

मंत्रिमंडल की बैठक के बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लोकसभा क्षेत्र वाराणसी में हवाई अड्डे के विकास में नए टर्मिनल भवन का निर्माण, एप्रन (पार्किंग) और हवाई पट्टी का विस्तार, समानांतर टैक्सी ट्रैक और अन्य कार्य शामिल हैं।

इस पर 2,869.65 करोड़ रुपये के व्यय का अनुमान है। भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण (एएआई) के प्रस्ताव का उद्देश्य हवाई अड्डे की यात्री संचालन क्षमता को मौजूदा 39 लाख यात्री प्रति वर्ष से बढ़ाकर 99 लाख यात्री यात्री प्रति वर्ष करना है।

बंगाल सरकार ने एतिहासिक 'होलोंग बंगले' में लगी आग की जांच के दिए आदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल सरकार ने बुधवार को अलीपुरद्वार जिले में स्थित प्रसिद्ध 'होलोंग बंगले' में लगी आग की जांच के आदेश दिए हैं। वन मंत्री बीरबाहा हंसदा ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मंगलवार की रात करीब नौ बजे लगी आग में जलकर खाक हुए लोकप्रिय पर्यटन लॉज में जल्द ही विशेषज्ञों की टीम जाकर आग के कारणों का पता लगाएगी।

हंसदा ने पीटीआई भाषा से कहा, ''चूंकि बंगला 15 जून से बंद था, इसलिए हमें घटना के पीछे के कारणों का पता लगाने के लिए मौके पर जाकर निरीक्षण करना होगा।'' उन्होंने कहा, ''प्रारंभिक रिपोर्ट में शॉर्ट सर्किट की बात कही गई है।'' हंसदा ने कहा कि लकड़ी का यह बंगला राज्य के लिए एक संपत्ति है और लोगों की इससे काफी भावनाएं और पुरानी यादें जुड़ी हुई हैं। यह पूछने पर क्या राज्य सरकार इस एतिहासिक इमारत का जीर्णोद्धार करेगी, मंत्री ने कहा, ''हम मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निर्देश के अनुसार कार्य करेंगे।'' जलदापाड़ा राष्ट्रीय उद्यान के अंदर स्थित लॉज में आग लगने से किसी के घायल होने या मौत की कोई खबर नहीं है।

पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ओडिशा विधानसभा में नेता विपक्ष होंगे

भुवनेश्वर/भाषा। पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने बुधवार को कहा कि वह ओडिशा विधानसभा में नेता विपक्ष का दायित्व निर्वहन करेंगे। पत्रकारों से बात करते हुए पटनायक ने कहा कि यह निर्णय बीजद विधायक दल की बैठक में लिया गया। उन्होंने कहा, हमने बीजद के विधायकों की बैठक की। मैंने उन्हें बधाई दी और धन्यवाद दिया। उन्होंने मुझे विपक्ष का नेता और बीजद विधायक दल का नेता चुना है। वरिष्ठ विधायक प्रसन्ना आचार्य को विपक्ष का उपनेता नियुक्त किया गया, जबकि पूर्व अध्यक्ष प्रमिला मलिक सदन में विपक्ष की मुख्य सचेतक होंगी। पटनायक ने प्रताप केशरी देब को विधानसभा में विपक्ष का उप मुख्य सचेतक नियुक्त किया। राज्य में 24 साल तक शासन करने वाली बीजू जनता दल (बीजद) हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनावों में भाजपा के हाथों सत्ता खो बैठी।

'यूपी के दो लड़के' राजनीति को मोहब्बत की दुकान बनाएंगे 'खटाखट खटाखट' : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को जन्मदिन की बधाई देने के लिए समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव को धन्यवाद दिया और कहा कि ''यूपी के दो लड़के'' हिंदुस्तान की राजनीति को मोहब्बत की दुकान 'खटाखट खटाखट' बनाएंगे।

राहुल गांधी बुधवार को 54 साल के हो गए और इस मौके पर कांग्रेस तथा 'इंडिया' गठबंधन के कई घटक दलों के नेताओं ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। अखिलेश यादव ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''राहुल गांधी जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।'' यादव के पोस्ट को फिर से साझा करते हुए राहुल गांधी ने कहा, ''आपकी शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद अखिलेश यादव जी। 'यूपी के दो लड़के' हिंदुस्तान की राजनीति को मोहब्बत की दुकान बनाएंगे - खटाखट खटाखट!''

वर्ल्ड फूड इंडिया कार्यक्रम में निवेश के सत्यापित आंकड़े ही दिए जाएंगे : चिराग पासवान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण मंत्री चिराग पासवान ने बुधवार को कहा कि सरकार पूरी तरह सत्यापित और जमीनी स्तर पर साकार हो चुके निवेश आंकड़ों को ही इस साल 'वर्ल्ड फूड इंडिया' कार्यक्रम में जारी करेगी।

पासवान ने राष्ट्रीय राजधानी में 19-22 सितंबर को आयोजित होने वाले वर्ल्ड फूड इंडिया कार्यक्रम के तीसरे संस्करण के बारे में मीडिया को जानकारी देते हुए कहा कि सरकार इस बार निवेश के बारे में अतिरंजित आंकड़े साझा करने से परहेज करेगी।

हाल ही में खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय का कार्यभार संभालने वाले पासवान ने इस कार्यक्रम के पिछले दो संस्करणों में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में किए गए निवेश की स्थिति पर जताई जा रही चिंताओं को दूर करने की कोशिश की। पिछले दो संस्करणों में किए गए निवेश दावों की स्थिति के बारे में पूछे गए पीटीआई-भाषा के सवाल पर पासवान ने कहा, ''समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर से निवेश का वादा किया जाता है और उसपर अमल की एक अवधि होती है। उसके बाद ही हमें पता चल पाता है कि जमीन पर कितना निवेश हुआ है। अब से हम निवेश की बात करते समय उन निवेश का ही उल्लेख करेंगे जिन्हें शुरू किया जा सकता है।'' उन्होंने तीसरे संस्करण के लिए एक मोबाइल ऐप और वेबसाइट को जारी करते हुए कहा, ''हम बहुत स्पष्ट हैं कि आपके सामने निवेश के ऐसे बड़े आंकड़े नहीं रखेंगे जो शुरू नहीं हुए हैं। मैं, मेरी पूरी टीम और मंत्रालय इस बात को लेकर स्पष्ट हैं कि हम निवेश के आंकड़े बढ़ा-चढ़ाकर नहीं देंगे। इसलिए मैंने आपके सामने तब तक कोई आंकड़ा नहीं बताया जब तक कि हम उन्हें पूरी तरह से सत्यापित नहीं कर लेते।''

आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, वर्ल्ड फूड इंडिया कार्यक्रम के वर्ष 2017 में आयोजित पहले संस्करण में सरकार ने 11.25 अरब डॉलर का निवेश आकर्षित किया था जबकि 2023 में आयोजित दूसरे संस्करण में निवेश का आंकड़ा 3.98 अरब डॉलर का था। केंद्रीय मंत्री के तौर पर अपनी पहले संवाददाता सम्मेलन में पासवान ने भारतीय खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र की अप्रयुक्त क्षमता का जिक्र करते हुए कहा कि वर्ल्ड फूड इंडिया कार्यक्रम भारत की ताकत को प्रदर्शित करने और विचारों, नवाचार, प्रौद्योगिकी एवं निवेश का आदान-प्रदान करने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय मंच प्रदान करता है। उन्होंने कहा, ''आज तक हमने खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र की अपनी क्षमता का 10 प्रतिशत भी इस्तेमाल नहीं किया है। वर्ष 2047 तक प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिए इस क्षेत्र का योगदान महत्वपूर्ण होगा।'' उन्होंने किसानों और खेतिहर समुदाय को बेहतर लाभ सुनिश्चित करने और फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम करने के लिए खेतों के पास ही प्रसंस्करण इकाइयां लगाने की जरूरत पर बल दिया।

इस दौरान खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग सचिव अनीता प्रवीण और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

प्रियंका के खिलाफ कार्रवाई हो: भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी ने जाली दस्तावेज प्रस्तुत करने को लेकर एक 'नीट' अभ्यर्थी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई किये जाने संबंधी इलाहाबाद उच्च न्यायालय की टिप्पणी के एक दिन बाद बुधवार को कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा से माफी मांगने और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरु करने की मांग की।

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) की उक्त अभ्यर्थी ने जाली दस्तावेज प्रस्तुत किए थे और अपनी याचिका में आरोप लगाया था कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) उसका परिणाम घोषित करने में विफल रही और उसकी 'ओएमआर' उत्तर-पुस्तिका फटी हुई पाई गई। उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ के निर्देश पर एनटीए ने छात्रा की मूल 'ओएमआर' उत्तर-पुस्तिका पेश की, जो सही-सलामत पाई गई। इसके बाद, अदालत ने यह टिप्पणी की थी। दस्तावेजों को देखने के बाद अदालत ने पाया कि छात्रा ने जाली दस्तावेजों के आधार पर याचिका दायर की है। अदालत ने इसे खेदजनक बताते हुए कहा कि एनटीए इस मामले में कानूनी कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र है। उच्च न्यायालय के आदेश का हवाला देते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने आरोप लगाया कि प्रियंका गांधी ने हाल में इस छात्रा का एक वीडियो 'एक्स' पर पोस्ट किया था, जिसने नीट परीक्षा में अपने परिणाम के बारे में कुछ 'अजीब दावे' किए थे। उन्होंने प्रियंका गांधी के 10 जून के पोस्ट का हवाला देते हुए 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''पता चला है कि आयुषी पटेल, जिसने दावा किया था कि उसकी ओएमआर शीट फटी हुई थी, उसने अदालत को जाली दस्तावेज सौंपे थे और अपनी ओएमआर शीट को फाड़े जाने के बारे में झूठे दावे किए थे।'' उन्होंने एक अन्य पोस्ट में कहा, ''मैं प्रियंका गांधी से न केवल माफी की मांग करता हूं बल्कि उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की भी मांग करता हूं।'' भाजपा प्रवक्ता ने कांग्रेस पर 'झूठ की दुकान' चलाने का आरोप लगाया और मांग की कि इस मामले की जांच भी कराई जाए ताकि यह पता चल सके कि कहीं कांग्रेस ने पटेल को झूठे दावे करने के लिए 'प्रायोजित' तो नहीं किया था।

सुविचार

दुनिया में रहने की सबसे अच्छी दो जगह है, एक किसी के दिल में और दूसरे किसी की दुआओं में।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

एक कदम और बढ़ाएं

भारत में ईंधन की मांग लगातार बढ़ने का सीधा-सा अर्थ यह है कि देश प्रगति कर रहा है। दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए हमें इस तरह तैयारी करनी होगी, जिससे न तो आर्थिक गतिविधियों के चक्र की रफ्तार कम हो और न ही विदेशी मुद्रा भंडार से अत्यधिक राशि खर्च हो। अभी हर साल देश के खजाने से मोटी रकम ईंधन बिल चुकाने में जा रही है। हमारी मेहनत की कमाई का एक बड़ा हिस्सा तो तेल खरीदने के बदले सऊदी अरब, रूस, इराक, यूएई जैसे देशों के खाते में चला जाता है। वहीं, गैस खरीदने के लिए भी सऊदी अरब, कतर, ओमान और कुवैत जैसे देशों पर निर्भरता है। कोरोना काल के बाद रसोई गैस की कीमतें काफी बढ़ गई हैं। हालांकि उज्ज्वला योजना के कारण लोगों को काफी राहत मिली है, लेकिन मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए कीमतें ज्यादा ही हैं। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने तो यह कहा है कि भारत इस दशक के उत्तरार्ध में ईंधन की मांग में अग्रणी बन जाएगा। हर साल जब विपक्ष महंगाई को लेकर सरकार को घेरता है तो विरोध-प्रदर्शन के दौरान गैस सिलेंडर जरूर रखता है। वह सिलेंडर की कीमतों का उल्लेख करते हुए कहता है कि महंगाई ने रसोई का बजट बिगाड़ दिया है। हालांकि वह यह नहीं बताता कि अगर खुद सत्ता में आएगा तो कौनसा फॉर्मूला लगाकर गैस सिलेंडर की कीमतें कम करेगा? एक सीधा-सा तर्क यह दिया जाता है कि ईंधन की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार और विभिन्न परिस्थितियों के आधार पर निर्धारित होती हैं। अगर चीज़ बाहर से ही महंगी आएगी तो यहां लोगों को सस्ती कैसे दी जाएगी? बात काफी हद तक सही है।

अगर ईंधन की कीमतें इसी तरह बढ़ती रहीं तो हमें इसका दूसरा विकल्प खोजना चाहिए, खासकर रसोई गैस का। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र कहते हैं कि 'प्रकृति के संतुलन को क्षति पहुंचाए बगैर विकास होना चाहिए', लेकिन कड़वी हकीकत है कि इस राज्य में ईंधन के लिए पेड़ों को बहुत नुकसान पहुंचाया गया है, पहुंचाया जा रहा है। यही स्थिति कई राज्यों में है। इस साल जितनी भयंकर गर्मी पड़ रही है, उसने एक बार फिर पेड़-पौधों की अहमियत साबित कर दी है। यहां केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीपद नाइक का यह बयान उम्मीद जगाने वाला है कि 'ऊर्जा उत्पादन के परंपरागत तरीकों पर निर्भरता घटाने पर जोर रहेगा ... यह हमारे पर्यावरण और आने वाली पीढ़ियों के हित के लिए आवश्यक है।' बेशक सरकार ने देश के गांव-ढाणियों तक गैस सिलेंडर पहुंचाकर गृहिणियों के लिए काफी आसानी पैदा कर दी है। उन्हें धुएं से निजात मिली है। अब एक कदम और आगे बढ़ाने का समय है। सरकार को चाहिए कि रसोईघरों में सौर ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहित करे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूर्व में रसोईघरों में सौर ऊर्जा के उपयोग का आह्वान कर चुके हैं। उन्होंने सितंबर 2017 में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अधिकारियों को संबोधित करते हुए रसोई ईंधन के लिए ऐसा समाधान पेश करने के लिए कहा था, जो इस्तेमाल करने में आसान हो और वह पारंपरिक चूल्हों की जगह ले सके। इसके बाद एक सोलर स्टोव का नाम भी काफी चर्चा में रहा था, लेकिन उसके बारे में लोगों को ज्यादा जानकारी नहीं मिली। लोग सोशल मीडिया पर उसके वीडियो देखते हैं, उसे खरीदने की इच्छा व्यक्त करते हैं, कीमत पूछते हैं, लेकिन यह आसानी से मिल नहीं रहा है। ध्यान रखें कि इस बाजार पर चीन की पैनी नजर है। वह मौके का फायदा उठाते हुए अपना दबदबा बनाए, उससे पहले ही भारत सरकार को बड़ा कदम उठाना चाहिए। रसोईघरों में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने से करोड़ों परिवारों को राहत मिलेगी। साथ ही देश तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से अग्रसर होगा।

ट्वीटर टॉक

किसानों के आशाओं की जमीन को सींच रही है मोदी सरकार की पीएम किसान सम्मान निधि योजना... तीसरी बार सरकार बनाते ही नरेन्द्र मोदी ने सबसे पहले किसानों के हित में फैसला लिया और पीएम किसान की 17वीं किस्त जारी की जिससे देशभर के करोड़ों किसानों को लाभ हुआ।

-सीपी जोशी

हल्दीघाटी विजय दिवस के अवसर पर मातृभूमि की स्वाधीनता की रक्षा के लिए आखिरी समय तक संघर्ष करने वाले मेवाड़ मुकुट महाराणा प्रताप जी एवं हल्दीघाटी युद्ध में अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले समस्त रणबांकुरों को मेरा कोटि-कोटि प्रणाम।

-वसुंधरा राजे

आज मुख्यमंत्री कार्यालय में राजस्थान के आगामी वित्तीय वर्ष 2024-25 बजट के संबंध में उद्योग एवं सेवा क्षेत्रों के प्रतिनिधियों के साथ बजट पूर्व 'परामर्श बैठक' में भाग लिया। बैठक में औद्योगिक क्षेत्र में व्यापार, वाणिज्य को बढ़ावा देने के साथ विभिन्न महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा की।

-दीया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

सेवा-धारा का प्रवाह

समरपुर गांव में नदी किनारे एक महात्मा जी का आश्रम था। चारों ओर का वातावरण सुख शांति से भरा था। महात्मा जी से ज्ञान प्राप्ति हेतु कई शिष्य आते। एक दिन महात्मा जी ने शिष्यों से कुएं और नदी से जल लाने को कहा। कुछ ही देर में जल पात्र में जल लेकर लौटे। कुएं के जल लाने वालों से पूछा, 'क्या विशेषता रही?' शिष्य सोच में पड़ गए। यही प्रश्न नदी से जल लाने वालों से पूछा। पर कोई भी सही जवाब नहीं दे सका। सभी शिष्यों से महात्मा जी ने कहा, 'कुएं के जल से प्यास तभी बुझ सकती है जब कोई एक व्यक्ति किसी जल पात्र को रस्सी से बांधकर कुएं से पानी निकाल पाता है। लेकिन नदी का जल जो उसके किनारे पहुंचता है, सभी जीव-जंतुओं और प्राणियों की समान रूप से प्यास बुझाता है। इसलिए जीवन में नदी की तरह बनकर सबके लिए सेवा-भावी बनो।'

सामयिक

महिला सशक्तीकरण का माध्यम है योग

ललित गर्ग

योग एवं ध्यान एक ऐसी विधा है जो हमें भीड़ से हटाकर स्वयं की श्रेष्ठताओं से पहचान कराती है। हममें स्वयं पुरुषार्थ करने का जज्बा जगाती है। स्वयं की कमियों से रू-ब-रू होने को प्रेरित करती है। स्वयं से स्वयं का साक्षात्कार कराती है। ऐसी कोई समस्या नहीं है जिसका समाधान हमारे भीतर से न मिले। भगवान महावीर का यह संदेश जन-जन के लिये सीख बने- 'पुरुष! तू स्वयं अपना भाग्यविधाता है।' औरों के सहारे मुकाम तक पहुंच भी गए तो क्या?

मनुष्य के सम्मुख युद्ध, महामारी, महंगाई, बेरोजगारी, प्रतिस्पर्धा के कारण जीवन का संकट खड़ा है। मानसिक संतुलन अस्त-व्यस्त हो रहा है। मानसिक संतुलन का अर्थ है विभिन्न परिस्थितियों में तालमेल स्थापित करना, जिसका सशक्त एवं प्रभावी माध्यम योग ही है। योग एक ऐसी तकनीक है, एक विज्ञान है जो हमारे शरीर, मन, विचार एवं आत्मा को स्वस्थ करती है। यह हमारे तनाव एवं कुंठा को दूर करती है। जब हम योग करते हैं, श्वासों पर ध्यान केन्द्रित करते हैं, प्राणायाम और कसरत करते हैं तो यह सब हमारे शरीर और मन को भीतर से खुश और प्रफुल्लित रहने के लिये प्रेरित करती है। योग ने सिर्फ शरीर को बल्कि मंन को भी शांति और एकाग्रचित करता है। योग के अभ्यास से शांतिपूर्ण मन से व्यक्ति को समाज कल्याण के लिए एक बेहतर निर्णय लेने में मदद मिलती है। इस बार 10वीं बार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2024 को पूरे विश्व में धूमधाम से मनाया जायेगा। इस साल योग दिवस की थीम महिलाओं पर आधारित 'महिला सशक्तिकरण के लिए योग' है। भारत ने योग को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई और योग के जरिए सांस्कृतिक एकता को बढ़ावा दिया। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग लाभकारी है। यह शरीर को रोगमुक्त रखता है और मन को शांति प्रदान करता है। भारतीय संस्कृति से जुड़ी ये क्रिया अब विदेशों तक फैल चुकी है।

योग एक स्वस्थ और संतुलित जीवन शैली को प्रोत्साहित करता है। ध्यान व योग मानसिक शांति देता है, जिससे सकारात्मक विचार आते हैं और लोग स्वस्थ जीवनशैली को अपनाने के लिए प्रोत्साहित होते हैं। योग एक प्राचीन भारतीय परंपरा है, जो अब वैश्विक संस्कृति का हिस्सा बन चुकी है। योग से परस्पर देश विदेश के योगी एक दूसरे से जुड़ते हैं और सांस्कृतिक एकता को बढ़ावा देते हैं। इस वर्ष योग दिवस का लक्ष्य योग के माध्यम से महिलाओं के शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक, सामाजिक और आध्यात्मिक कल्याण को बढ़ावा देना है। इससे यह सुनिश्चित होगा कि महिलाएं स्वस्थ और आत्मविश्वास से भरपूर हों और समाज में अग्रणी भूमिका निभा रहीं है। इस वर्ष महिलाओं को प्रभावित करने वाली विभिन्न स्वास्थ्य स्थितियों जैसे- मासिक धर्म की परेशानी, रजोनिवृत्ति के लक्षण और प्रजनन स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं पर शोध करने की योजना है। योग आत्म-जागरूकता और आत्म-स्वीकृति को बढ़ावा देता है, जो महिलाओं में आत्मविश्वास और आत्म-सम्मान बढ़ा सकता है, जिससे महिलाओं को अपने लक्ष्यों और आकांक्षाओं को पूरा करने की शक्ति मिलती है। योग के माध्यम से विश्व शांति, उन्नत व्यक्तित्व विकास, शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन, गुस्सा एवं तनाव कम करने जैसे लक्ष्यों को भी हासिल किया जायेगा।

पिछले दिनों कनाडा के ओंटेरियो यूनिवर्सिटी में हुए एक अध्ययन के अनुसार कुंठा और तनाव के लगभग 64 प्रतिशत मरीजों ने माना कि उन्हें इस बात का अंदाज नहीं था कि उनकी खास बीमारी की वजह अंदर दबा गुस्सा हो सकता है। गुस्से की वजह से कुछ मामलों में मरीजों ने अपने आपको नुकसान भी पहुंचाया। एबी कहते हैं, 'आपको पता ही नहीं होता कि आपने अपने दिल में क्या-क्या भर रखा है। इसके लिए जरूरी है कि अपने आपको जानें। अगर कोई पुरानी बात आपको मथ रही है तो उसे जाने न दें। आप उस व्यक्ति को माफ कर दें और खुद को भी। इस तरह बिना बोझ के आप जिंदगी में आगे बढ़ पाएंगे।' मन की गंदगी को धोने का माध्यम है योग। पवित्र अंतःकरण ही वह दर्पण है जिसमें आत्मा का दर्शन, प्रकृति का प्रदर्शन और ब्रह्म का संदर्शन होता है। शुद्ध अंतःकरण में बुद्धि आकाशवत निर्मल और स्वच्छ रहती है, मन गंगा जैसा पवित्र रहता है, चित्त ऐसा स्थिर रहता है जैसे बिना वायु के अविचल दीपक की ज्योति और सम्पूर्ण चेतना भगवान में मिलने के लिए ऐसी बहती है जैसे समुद्र में मिलने के लिए नदियां। जैसे शीशे में अपना चेहरा तभी दिखलायी पड़ता है जबकि शीशा साफ और स्थिर हो, इसी प्रकार शुद्ध अंतःकरण से ही परम ब्रह्म के दर्शन होते हैं।

अभी कुछ दिन पहले ही एक बात समाचारपत्रों में पढ़ी कि कैंसर क्यों होता है, इसके कई कारण हैं। एक कारण यह है कि जो लोग मस्तिष्क का सही उपयोग करना नहीं जानते उनके कैंसर हो सकता है। मस्तिष्क विज्ञानी तो यह भी कहते हैं कि मस्तिष्क की शक्तियों का केवल चार या पांच प्रतिशत उपयोग आदमी करता है, शेष शक्तियां सुप्त पड़ी रहती है। चाहे कर्म का क्षेत्र हो या धर्म का क्षेत्र हो, दोनों में हम पिछड़े हुए हैं। सबसे पहले हमारी जानकारी मस्तिष्क विद्या के बारे में होनी चाहिए। योग विद्या भारत की सबसे प्राचीन विद्या है। इसी भारतीय योग एवं ध्यान के माध्यम से भारत दुनिया में गुरु का दर्जा एवं एक अनूठी पहचान हासिल करने में सफल हो रहा है। इसीलिये समूची दुनिया के लिये अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस स्वीकार्य हुआ है।

हमारे मस्तिष्क में एक पर्त है एनीमल ब्रेन की। वह पर्त सक्रिय होती है तो आदमी का व्यवहार पशुवत हो जाता है। जितने भी हिंसक और नकारात्मक भाव हैं, वे इसी एनीमल ब्रेन की सक्रियता का परिणाम है। इसे संतुलित करने का माध्यम योग है। शारीरिक, मानसिक और अध्यात्मिक शांति एवं स्वस्थ्यता के लिये योग की एकमात्र रास्ता है। लेकिन भोगवादी युग में योग का इतिहास समय की अनंत गहराइयों में छुप गया है। वैसे कुछ लोग यह भी मानते हैं कि योग विज्ञान वेदों से भी प्राचीन है। दुनिया में भारतीय योग को परचम फहराने वाले स्वामी विवेकानंद कहते हैं-''निर्मल हृदय ही सत्य के प्रतिबिम्ब के लिए सर्वोत्तम दर्पण है। इसलिए सारी साधना हृदय को निर्मल करने के लिए ही है। जब वह निर्मल हो जाता है तो सारे सत्य उसी क्षण उसमें प्रतिबिम्बित हो जाते हैं।...पावित्र्य के बिना आध्यात्मिक शक्ति नहीं आ सकती। अपवित्र कल्पना उतनी ही बुरी है, जितना अपवित्र कार्य।'' आज विश्व में जो आतंकवाद, हिंसा, युद्ध, साम्प्रदायिक विद्वेष की ज्वलंत समस्याएं खड़ी है, उसका कारण भी योग का अभाव ही है। हम अपनी समस्या को समझें और अपना समाधान खोजें। समस्याएं परेशान करती हैं। जरूरत खुद को काबू में रखने की होती है, हम दूसरों को काबू में करने में जुटे रहते हैं।

विज्ञान ने यह प्रमाणित कर दिया है- जो व्यक्ति स्वस्थ रहना चाहता है, उसे योग को अपनाना होगा। बार-बार क्रोध करना, चिड़चिड़ापन आना, मूड का बिगड़ते रहना- ये सारे भाव हमारी समस्याओं से लडने की शक्ति को प्रतिहत करते हैं। इनसे ग्रस्त व्यक्ति बहुत जल्दी बीमार पड़ जाता है। हमें अपनी योग्यताओं और क्षमताओं को किसी दायरे में बांधने से बचना होगा। ऐसा तब होगा, जब हम योग को अपनी जीवनशैली बनायेंगे। हम जितना ध्यान रोगों को ठीक करने में देते हैं, उतना उनसे बचने में नहीं देते। दवा पर जितना भरोसा रखते हैं, उतना भोजन पर नहीं रखते। यही कारण है रोग पीछा नहीं छोड़ते। हमें यह पता होता है कि कार के लिए कौन सा ईंधन सही है, पर हम ये नहीं जानते कि शरीर को ठीक रखने के लिए कौन से ईंधन की जरूरत है? हमें कैसा भोजन करना चाहिए? कैसी सोच चाहिए? कैसी जीवनशैली चाहिए?

योग एवं ध्यान एक ऐसी विधा है जो हमें भीड़ से हटाकर स्वयं की श्रेष्ठताओं से पहचान कराती है। हममें स्वयं पुरुषार्थ करने का जज्बा जगाती है। स्वयं की कमियों से रू-ब-रू होने को प्रेरित करती है। स्वयं से स्वयं का साक्षात्कार कराती है। ऐसी कोई समस्या नहीं है जिसका समाधान हमारे भीतर से न मिले। भगवान महावीर का यह संदेश जन-जन के लिये सीख बने- 'पुरुष! तू स्वयं अपना भाग्यविधाता है।' औरों के सहारे मुकाम तक पहुंच भी गए तो क्या? इस तरह की मंजिलें स्थायी नहीं होती और न इस तरह का समाधान कारगर होता है। हमारे भीतर ऐसी शक्तियां हैं, जो हमें बचा सकती हैं। योग, संकल्प एवं संयम की शक्ति बहुत बड़ी शक्ति है। अनावश्यक कल्पना मानसिक बल को नष्ट करती है। लोग अनावश्यक कल्पना बहुत करते हैं। यदि उस कल्पना को योग में बदल दिया जाए तो वह एक महान शक्ति बन सकती है।

नजरिया

भारतीय परंपरा में शिव-तत्व भाव

स्वर्ण ज्योति

मो. 9443459660

यह भाव दरअसल उस तत्व की ओर इशारा करता है, जो स्थायी है, अनिर्मित है, इसलिए उसे मिटाया भी नहीं जा सकता। मनुस्मृति में उन्हें स्वयंभू कहा गया है।शिव पुराण कहता है कि शिव प्रकृति और पुरुष दोनों से परे हैं। गीता कहती है: 'उप दृष्टा नुमन्ता च भर्ता भोक्ता महेश्वरः'।

शिव की कल्पना का एक दार्शनिक आधार है, जिसके बीज वैदिक युग में ही पड़ने लगे थे। ऋग्वेद में उनका नाम रुद्र है। अथर्ववेद में उन्हें महादेव कहा जाने लगा। श्वेताश्वेतर उपनिषद तक उनके ईश, महेश्वर, शिव और ईशान नाम हो गए। कश्मीर के शैव दर्शन में प्रकृति तत्व 'माया' नाम से जाना जाता है।श्रुति कहती है, 'मयं तु प्रकृतिम विद्धि मयिनाम तु महेश्वरम।' प्रकृति को माया और महेश्वर को माया या प्रकृति का स्वामी जानो। जैसा कि कई शिलालेखों से स्पष्ट है कि सभी देवताओं में शिव को सर्वोच्च माना जाता है। शिव को भारतीय अभिलेखीय शब्दावली में परिभाषित किया गया है।यह आमतौर पर संस्कृत, प्राकृत या द्रविड़ भाषाओं में लिखे गए प्राचीन शिलालेखों पर पाया जा सकता है।

बौद्ध धर्म , पाली, हिंदू धर्म , संस्कृत, जैन धर्म , प्राकृत, प्राचीन भारत का इतिहास, मराठी, हिंदी और जीव विज्ञान में शिव के अनेक अर्थ हैं। लिंग-पुराण के अनुसार शिव ब्रह्मांड के लिए वही हैं जो मिट्टी और कुम्हार घड़े के लिए हैं। नीलमतपुराण के अनुसार शिव एक ऐसे देवता को संदर्भित करता है जिसकी कभी प्राचीन कश्मीर में पूजा की जाती थी। 10 वीं शताब्दी के शैववाद को दर्शाने वाले विभिन्न उपपुराणों में से एक सौरपुराण के अनुसार, शिव उच्चतम सत्य को संदर्भित करता है : पांडिचेरी में डीस्पेस: तमिलनाडु में सिद्ध पंथ (शक्तिवाद) शरदतिलक के अनुसार, शिव निर्गुण और

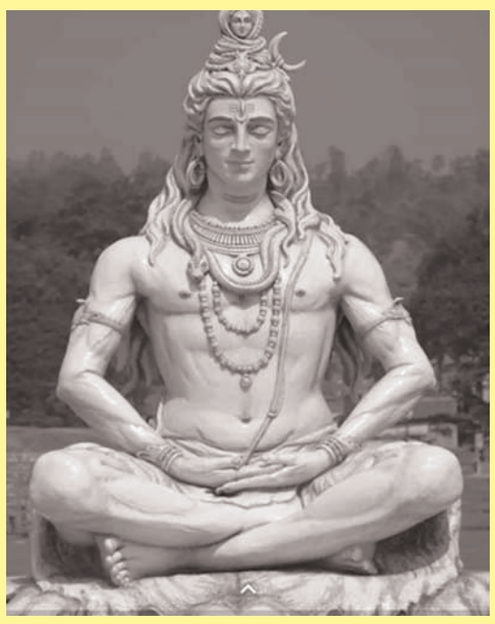

सगुण दोनों हैं।वराहमिहिर द्वारा लिखित बृहत्संहिता (अध्याय 4) एक विश्वकोश संस्कृत कार्य जो मुख्य रूप से प्राचीन भारतीय खगोल विज्ञान पर आधारित है, के अनुसार, शिव समृद्धि को संदर्भित करता है। यहाँ मैं अपनी बात की दिशा बदलते हुए साहित्य में शिव तत्व की ओर मोड़ती हूँ। साहित्य में सबसे पहले अश्वघोष के बुद्धचरित में शिव का उल्लेख है।रामायण, महाभारत भी शिवमय है। भर्तृहरि ने थोड़ा तिर्यक ढंग से शिव को याद किया है।भरत के नाट्यशास्त्र व वात्स्यायन के कामसूत्र में भी शिव का नाम मिलता है। कालिदास की रघुवंश, विक्रमोर्वशीय तथा मालविकाग्निमित्र आदि कृतियों में जगह-जगह शिव स्तुति है। कुमारसंभव में शिव-पार्वती परिणय, मदन दहन और स्कंद जन्म की कहानी विस्तृत ढंग से लिखी गई है।

मेघदूत में तो शिवोपासना विधि भी बताई गई है। दंडी के दशकुमार चरित व बाणभट्ट की कादंबरी में भी शिव हैं। यहां मैं अपनी बात को दक्षिण की ओर लिए चलती हूँ। लिंगायत अथवा वीर शैव सिद्धांत को वसव ब्राह्मण से जोड़ा जाता है। डॉ. फ्लीट के अभिलेखों के अनुसार, लिंग साक्षात शिव है। लिंगायत मत भारतवर्ष के प्राचीनतम सनातन हिन्दू धर्म का एक हिस्सा है। इस मत के ज्यादातर अनुयायी दक्षिण भारत में हैं। यह मत भगवान शिव की स्तुति आराधना पर आधारित है। सन 1160 में बसवेश्वर के नेतृत्व में कल्याण में वीर शैव धर्म का उदय होता है। यह माना जाता है कि बसवेश्वर ने लिंगायत संप्रदाय की स्थापना की थी किंतु वास्तव में उन्होंने देश भर में प्रचलित शैव संप्रदायों से उपयोगी सिद्धांत लेकर उनका समन्वय कर एक नया नाम दिया लिंगायत संप्रदाय।इस मत के उपासक लिंगायत कहलाते हैं।लिंगायत शब्द कन्नड़ शब्द लिंगवंत से व्युत्पन्न है।ये लोग मुख्यतः महात्मा बसवण्णा की शिक्षाओं के अनुगामी हैं।शैवमत का मूलरूप ऋग्वेद में रुद्र की आराधना में हैं। शिवलिंग उपासना का प्रारंभिक पुरातात्विक साक्ष्य हड़प्पा संस्कृति के अवशेषों से मिलता है।

दक्षिण हो या उत्तर, पूर्व हो या पश्चिम,चारों दिशायें शिवमय हैं। शिव से संबंधित परंपरा हिंदू धर्म का एक प्रमुख हिस्सा है। जिस प्रकार इस ब्रह्माण्ड का ना कोई अंत है, न कोई छोर और न ही कोई शुरुआत, उसी प्रकार शिव अनादि है।सम्पूर्ण ब्रह्मांड शिव के अंदर समाया हुआ है। जब कुछ नहीं था तब भी शिव थे जब कुछ न होगा तब भी शिव ही होंगे। शिव भाव पवित्र और निश्छल है, शिव भारतीय दर्शन, कला, साहित्य और लोक परंपरा में सुगंध की तरह घुले हैं।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विशेष

कब्ज के मर्ज से हैं परेशान? ये योगासन करेंगे 'समस्या' का समाधान

उन कारणों का पता लगाना चाहिए, जिनसे कब्ज पैदा होती है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। आज कई परिवारों में कब्ज एक बड़ी समस्या बनती जा रही है। प्राय: बुजुर्ग ही नहीं, किशोर और युवा भी यह शिकायत करते मिल जाते हैं कि सुबह उनका पेट साफ नहीं होता। ऐसे में उन्हें दैनिक कार्यों से निवृत्त होने में काफी समय लग जाता है।

कब्ज के कई कारण हो सकते हैं, जैसे- देर से खाना, पचने में भारी पदार्थों का सेवन करना, शारीरिक श्रम न करना, पाचन के प्रतिकूल आदतें अपनाना, भोजन करते ही बैठ जाना या सो जाना, पर्याप्त फाइबर युक्त भोजन न करना, पर्याप्त पानी न पीना। कब्ज अपने साथ कई बीमारियां लेकर आती है, इसलिए समय रहते इससे निजात पाना जरूरी है। योगा जर्नल के अनुसार, हाल में हुए एक अध्ययन में पाया गया है कि जिन लोगों को कोविड हुआ था, उनमें वायरस का पता चलने के एक साल बाद तक कब्ज सहित जठरांत्र संबंधी समस्याओं का अनुभव होने की अधिक आशंका थी। जिन लोगों में वायरस के लक्षण अधिक गंभीर थे, उनमें आंतों की समस्याएं होने की आशंका अधिक थी।

सबसे पहले तो उन कारणों का पता लगाना चाहिए, जिनसे कब्ज पैदा होती है। अपनी दिनचर्या को प्रकृति के अनुकूल बनाएं। समय पर भोजन करें, अत्यधिक तले-भुने और पचने में भारी पदार्थों का सेवन न करें, भोजन करने के बाद थोड़ा टलें, तुरंत ही विश्राम न करें।

इसके साथ ही कुछ योगासन हैं, जिनका किसी कुशल प्रशिक्षक की देखरेख में अभ्यास किया जा सकता है। ये हैं - भुजंगासन, धनुरासन, अर्ध मत्स्येन्द्रासन, हलासन, मयूरासन, पवनमुक्तासन, बद्धकोणासन। ध्यान रखें कि यह समस्या रातोंरात दूर नहीं होती और सिर्फ योगासन करना पर्याप्त नहीं है। पाचन तंत्र को कमजोर बनाने वाली चीजों और आदतों से दूर रहना जरूरी है।

इन नियमों का करेंगे पालन तो योगाभ्यास से मिलेंगे भरपूर फायदे

योगाभ्यास करते समय अपनी क्षमता का ध्यान रखें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। योगासन करने के कुछ खास नियम होते हैं। योगाभ्यास के दौरान उनका पालना करना जरूरी है। अगर योगासन ठीक तरह से न किया जाए या नियमों का सही ढंग से पालन न किया जाए तो फायदे की जगह नुकसान भी हो सकता है।

- योग विशेषज्ञों के अनुसार, योगाभ्यास खाली पेट करना चाहिए।
- योगाभ्यास से पहले शौचादि से निवृत्त होना चाहिए।
- अपना भोजन सात्विक रखना चाहिए।
- योगाभ्यास करते समय, जब तक ऐसा करना जरूरी न हो, सांस को रोककर न रखें। अन्यथा चक्कर आ सकते हैं।
- योगासन करने के लिए अच्छी चटाई या योगा मैट का उपयोग करें। कटी-फटी, मैली, फिसलन भरी और बहुत खुरदरी मैट का उपयोग न करें।
- अत्यधिक थकावट, बीमारी, जल्दबाजी, तीव्र तनाव, फ्रैक्चर, सर्जरी कराने या चोट लगे होने की स्थिति में योगाभ्यास न करें।
- भोजन करने के तुरंत बाद योग नहीं करना चाहिए। इसी तरह तुरंत बाद पानी या कोई अन्य पेय पदार्थ नहीं पीना चाहिए।
- योगाभ्यास करते समय अपनी क्षमता का ध्यान रखें। इससे ज्यादा अभ्यास करना कई समस्याएं पैदा कर सकता है।
- याद रखें कि योगाभ्यास से अच्छे परिणाम तुरंत ही नहीं मिल जाते। इसके लिए नियमित अभ्यास करना जरूरी है।
- योगाभ्यास करें तो ऐसे कपड़े पहनें, जो न तो बहुत ढीले हों और न बहुत कसे हुए हों। ऐसे कपड़े पहनना फायदेमंद होता है, जो योगाभ्यास में सहायक हों, उसमें बाधक न बनें।
- योग सत्र का समापन ध्यान, शांति पाठ आदि के साथ करना चाहिए।

रूस: बर्फीली धरती पर कैसे पहुंचा योग का प्रकाश?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। दुनिया के कई देशों में योग के लोकप्रिय होने के बाद जहां लोगों ने इसे अपनाने में रुचि दिखाई, वहीं कुछ देशों में इसे रोकने की कोशिशें भी हुईं। हालांकि उनके ये प्रयास सफल नहीं हुए। देर-सबेर योग का प्रकाश वहां पहुंच ही गया।

रूस में योग का इतिहास कुछ ऐसा ही है। वहां साल 1910 के दशक से अभिनेता कॉन्स्टेंटिन स्टैनिस्लावस्की ने साथी अभिनेताओं को प्रशिक्षित करने के लिए इसका प्रदर्शन करना शुरू किया था। हालांकि इसकी शुरुआत तब से मानी जाती है, जब कैथरीन द ग्रेट ने 1788 में श्रीमद्भगवद्गीता का अनुवाद प्रकाशित कराया था।

सोवियत संघ में योग पर प्रतिबंध लगाया गया था, क्योंकि इसके पीछे यह ग़लतफ़हमी थी कि इससे लोगों का झुकाव किसी खास विचारधारा की ओर हो जाएगा। वहीं, विदेशों में रहने वाले रूसी, जो योगाभ्यास करते हुए इसके फायदे महसूस कर चुके थे, ने साल 1920 से प्रचार-प्रसार शुरू कर दिया था।

इनमें इंद्रा देवी का नाम बहुत आदर से लिया जाता है, जिन्होंने रूसी क्रांति के दौरान रूस छोड़ दिया और भारत में तिरुमलाई कृष्णमाचार्य से योग सीखा और इसे अमेरिका में लोकप्रिय बनाया था।

रूस में नब्बे के दशक से योग का तेजी से प्रचार-प्रसार हुआ। इस दौरान योगाभ्यास के बड़े-बड़े स्टूडियो खुले, जिनमें सैकड़ों-हजारों की तादाद में रूसी लोग योग करने लगे। समय के साथ भारत और रूस के संबंध मधुर होने से रूसियों को योग के बारे में जानने के खूब अवसर मिले। अब तो अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रूस के कई शहरों में लोग योगाभ्यास करते हैं।

हालांकि इसके बावजूद रूस में एक वर्ग ऐसा है, जो योग को कुछ संदेह की दृष्टि से देखता है और समय-समय पर इसके खिलाफ बयान देता रहता है, लेकिन आमजन में योग की स्वीकृति बढ़ रही है। मास्को में स्थित भारतीय दूतावास द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, रूसी लोग योग के अनुशासन को अपने जीवन की स्थिति और शैली के अनुरूप ढाल रहे हैं। कुछ लोगों को यह देखकर आश्चर्य हुआ कि रूस ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने के लिए भारत द्वारा शुरू किए गए संयुक्त राष्ट्र प्रस्ताव को सह-प्रायोजित करने का निर्णय लिया था।

रूस में योग के सबसे प्रसिद्ध अभ्यासी (पूर्व) प्रधानमंत्री दिमित्री मेदवेदेव हैं, जिनके राष्ट्रपति रहते योग ने इस देश में अपार लोकप्रियता हासिल की। यहां 21 जून को देशभर में कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। सबसे बड़ा आयोजन मास्को के ऐतिहासिक सोकोलनिकी पार्क में होता है, जिसमें योगाभ्यास के लिए हजारों लोग आते हैं। रूस के अन्य शहरों में भी इस दिन को उत्साह के साथ मनाया जाता है। व्लादिवोस्तोक में एक हज़ार से ज़्यादा लोग योगाभ्यास करते हैं। साइबेरियाई शहर नोवोसिबिर्स्क में योग प्रदर्शन के लिए पार्कों में विशेष क्षेत्र बनाए जाते हैं।

पुरानी कब्ज और गैस से मुक्ति दिलाएगा पवनमुक्तासन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। यूं तो पवनमुक्तासन के कई फायदे हैं, लेकिन यह उन लोगों के लिए खास फायदेमंद है, जिन्हें गैस और कब्ज आदि की समस्या रहती है। यह योगासन शरीर से वायु को निकाल देता है, इसलिए इसका नाम पवनमुक्तासन है। अंग्रेजी में इसे गैस रिलीज पोज कहा जाता है।

कैसे करें पवनमुक्तासन?

- सबसे पहले योगा मैट पर पीठ के बल लेट जाएं।
- अब धीरे-धीरे अपने घुटने को मोड़ें और तलवे को ज़मीन पर टिका लें।
- इसके बाद अपने दोनों हाथों से घुटने को ऊपर से पकड़ लें। फिर, गहरी सांस लें और घुटनों को सीने से लगाएं।
- इस दौरान सांस को रोक कर रखें।
- ध्यान रखें कि लंबी सांस अंदर रखते घुटने को सीने से लगाना है। इस दौरान जांघ को हाथों से पकड़ते हुए पेट पर हल्का दबाव होगा।
- लगभग पांच से 10 सेकंड तक इस स्थिति में रहें।
- अब घुटने को दोनों हाथों से मुक्त कर दें। उसके बाद सांस छोड़ते हुए पैर को सीधा करना है।
- इस तरह सामान्य स्थिति में लौट आने के बाद यही क्रिया दूसरे पांव के साथ करनी है।
- इस क्रिया को एक-एक कर दोनों पैरों से करते हुए चार-पांच बार दोहराएं।

पवनमुक्तासन के फायदे

- यह ऐसा योगासन है, जिसका असर कुछ ही मिनटों में महसूस होना शुरू हो जाएगा।
- पवनमुक्तासन पीठ के साथ ही पेट की मांसपेशियों के लिए अच्छा होता है।
- इससे हाथों और पैरों की मांसपेशियां मजबूत बनती हैं।
- इससे पुरानी कब्ज और गैस जैसी दिक्कतें दूर होती हैं।
- पवनमुक्तासन रक्त परिसंचरण बढ़ाने में सहायक होता है।
- यह पेट की बढ़ी हुई चर्बी दूर करने में प्रभावी है।
- इसका नियमित अभ्यास करने से पाचन तंत्र मजबूत होता है।

इन सावधानियों का ध्यान रखना जरूरी

- जिन्हें गंभीर कमर दर्द हो, उन्हें इसका अभ्यास नहीं करना चाहिए।
- जिनके घुटने में दर्द हो या सर्जरी कराई हो, वे इसे न करें।
- हर्निया, उच्च रक्तचाप, हृदयरोग जैसी समस्याओं में पवनमुक्तासन नहीं करना चाहिए।

ध्यान रखें कि इस जानकारी का उद्देश्य योग के बारे में जागरूकता पैदा करना है। यह स्वास्थ्य संबंधी सलाह का विकल्प नहीं हो सकती। उचित सावधानियों का पालन करते हुए किसी कुशल योग प्रशिक्षक के दिशा-निर्देशों के अनुसार ही योगाभ्यास करना चाहिए।

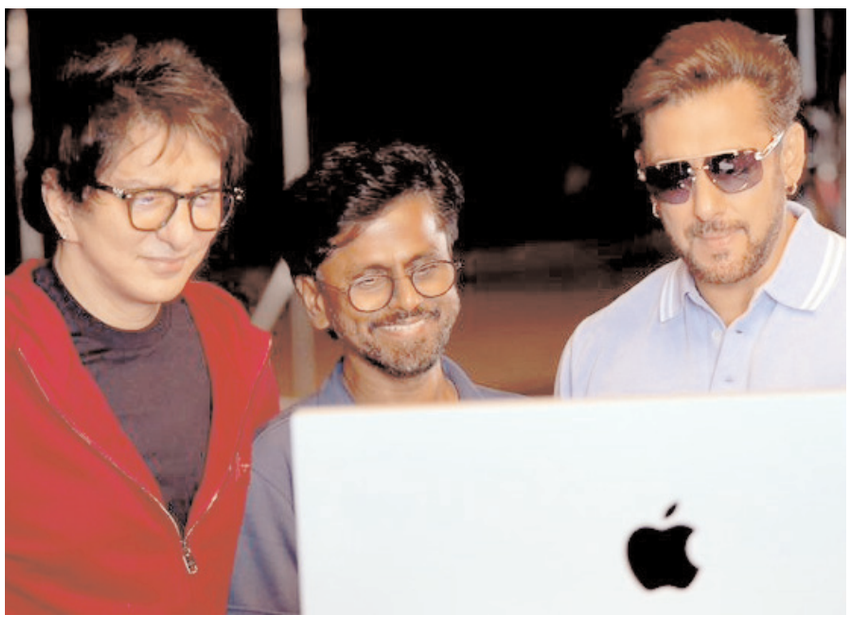

सलमान खान ने शुरू की 'सिकंदर' की शूटिंग

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने मोस्ट अवेटेड फिल्म 'सिकंदर' की शूटिंग शुरू कर दी है। इस कड़ी में उन्होंने फिल्म के सेट से एक तस्वीर शेयर की, जिसमें डायरेक्टर ए.आर. मुरुगादॉस और प्रोड्यूसर साजिद नाडियाडवाला भी नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर में तीनों एक स्क्रीन की तरफ देख रहे हैं। लुक की बात करें तो 'दबंग' स्टार ने लाइट पर्पल कलर की टीशर्ट के साथ सनग्लासेस पहने हुए हैं। वहीं साजिद ने ब्लैक टीशर्ट के ऊपर रेड कलर की जैकेट पहनी है, जबकि मुरुगादॉस ब्लू शर्ट में दिख रहे हैं। सलमान ने फोटो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'सिकंदर' की टीम के साथ ईद 2025 का इंतजार कर रहा हूं।'' अपनी इस पोस्ट में उन्होंने साजिद नाडियाडवाला, ए.आर. मुरुगादॉस और रश्मिका मंदाना को टैग किया है। रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को फिल्म के लिए लुक टेस्ट और फोटो शूट किया गया।

इस साल ईद के मौके पर यानी 11 अप्रैल को सलमान ने सोशल मीडिया के जरिए इस फिल्म की अनाउंसमेंट की थी। उन्होंने एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, ''इस ईद 'बड़े मियां छोटे मियां' और 'मैदान' देखो और अगली ईद पर 'सिकंदर' से आकर मिलो.. आप सभी को ईद मुबारक।'' फिल्म के डिटेल्स से अभी पर्दा नहीं उठाया गया है। पिछले साल सलमान को पहली बार 'किसी का भाई किसी की जान' में देखा गया था, जो फरहाद सामजी द्वारा निर्देशित एक एक्शन कॉमेडी थी। यह फिल्म 2014 की तमिल फिल्म 'वीरम' का रीमेक है। इसमें पूजा हेगड़े, वेंकटेश, शहनाज़ गिल और राघव जुयाल भी हैं। इसके बाद उन्हें मनीष शर्मा द्वारा निर्देशित जासूसी एक्शन थ्रिलर 'टाइगर 3' में देखा गया। इसमें कैटरीना कैफ और इमरान हाशमी लीड रोल में हैं। यह फिल्म 'एक था टाइगर' और 'टाइगर ज़िंदा है' का सीक्वल है। 'सिकंदर' में रश्मिका मंदाना, सलमान खान के अपोजिट नजर आएंगी। फिल्म का निर्माण साजिद नाडियाडवाला कर रहे हैं। इससे पहले वह सलमान के साथ 'जुड़वा', 'मुझसे शादी करोगी' और 'किक' समेत कई फिल्मों में काम कर चुके हैं।

तिब्बती लोगों को अपने धर्म का स्वतंत्र रूप से पालन करने में सक्षम होना चाहिए : माइकल मैककॉल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धर्मशाला/शिमला। अमेरिकी संसद की विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष माइकल मैककॉल ने बुधवार को कहा कि तिब्बती लोगों को आत्मनिर्णय का अधिकार है। उन्होंने जोर देकर यह भी कहा कि उनकी (तिब्बतियों की) एक अनूठी संस्कृति और धर्म है और उन्हें अपने धर्म का स्वतंत्र रूप से पालन करने में सक्षम होना चाहिए।

धर्मशाला में तिब्बतियों के धार्मिक गुरु दलाई लामा से मुलाकात करने वाले अमेरिकी सांसदों के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे मैककॉल ने कहा कि यही कारण है कि ''हम आज 'चीन की कम्युनिस्ट पार्टी' (सीसीपी) की अवहेलना करते हुए यहां पहुंचे हैं''। उन्होंने धर्मशाला स्थित केंद्रीय तिब्बती प्रशासन (सीटीए) द्वारा आयोजित एक समारोह में कहा कि सीसीपी द्वारा हिंसा किये जाने और दलाई लामा को घर से जबरन निकाले जाने के बावजूद वह (तिब्बती धर्मगुरु) सहिष्णुता, शांति और क्षमा का उपदेश देना जारी रखे हुए हैं।

मैककॉल ने जोर देकर कहा कि लोकतंत्र में लोग स्वतंत्र होते हैं, जबकि वे (तिब्बती) निरंकुश शासन के तहत गुलाम हैं।

मैककॉल ने कहा, ''तिब्बती लोगों का एक अलग धर्म, संस्कृति और ऐतिहासिक पहचान है तथा उन्हें अपने भविष्य के बारे में अपनी राय रखने का अधिकार होना चाहिए। आपको अपने धर्म का स्वतंत्र रूप से पालन करने में सक्षम होना चाहिए और यही कारण है कि हम आज सीसीपी की चेतावनी की अवहेलना करते हुए यहां आए हैं।'' उन्होंने कहा, ''हमारे प्रतिनिधिमंडल को सीसीपी से एक पत्र मिला, जिसमें हमें यहां न आने की चेतावनी दी गई थी। उन्होंने अपना झूठा दावा दोहराया कि तिब्बत 13वीं शताब्दी से चीन का हिस्सा है, लेकिन सीसीपी की चेतावनियों से प्रभावित हुए बिना हम आज यहां हैं।'' उन्होंने कहा कि दलाई लामा, तिब्बत के लोग और अमेरिका, सभी जानते हैं कि तिब्बत, चीन का हिस्सा कतई नहीं है।

मैककॉल ने कहा कि इस यात्रा का समय इससे बेहतर नहीं हो सकता, क्योंकि पिछले सप्ताह प्रतिनिधि सभा और अमेरिकी कांग्रेस ने 'तिब्बत (विवाद) समाधान' विधेयक पारित किया था, जिसमें स्पष्ट किया गया है कि तिब्बत की अपनी अनूठी संस्कृति, भाषा और धर्म है तथा उसे आत्मनिर्णय का अधिकार है।

उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में इस विधेयक पर हस्ताक्षर होगा। उन्होंने कहा कि इस विधेयक में तिब्बत के बारे में सीसीपी के दुष्प्रचार को आक्रामक रूप से चुनौती देने की भी आवश्यकता है।

दलाई लामा से मिलने और चर्चा करने वाले प्रतिनिधिमंडल में अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की पूर्व अध्यक्ष नैन्सी पेलोसी और सांसद मैरिएनेट मिलर, ग्रेगरी मीक्स, निकोल मैलियोटाकिस, जिम मैकगवर्न और एमी बेरा शामिल थे।

मैककॉल ने दलाई लामा को एक उपहार भेंट करते हुए कहा, आपमें से कई लोगों की तरह, मैं भी चाहता हूं कि यह बैठक आपके गृह देश तिब्बत में हो, लेकिन 65 साल पहले चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) द्वारा तिब्बत पर कब्जा किये जाने और हजारों तिब्बतियों का कत्लेआम करने के बाद आपको भागने पर मजबूर होना पड़ा था।''

मैककॉल ने कहा कि सीसीपी तिब्बती संस्कृति को खत्म करने और तिब्बती लोगों को जबरन अपने नियंत्रण में लाने के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने कहा कि भारतवासियों की दयालुता के कारण ही परम पावन दलाई लामा और उनके लोग यहां स्वतंत्र रूप से रह पाए और मुकदमे के भय के बिना अपने धर्म का पालन कर पाए।

मैककॉल ने कहा, ''मुझे अब भी उम्मीद है कि एक दिन दलाई लामा और उनके लोग शांतिपूर्वक तिब्बत वापस लौटेंगे।''

'फैशन के साथ चलना थकाऊ' हो सकता है : मंजरी मिश्रा

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस मंजरी मिश्रा ने कहा कि फैशन के रुझान के साथ चलना थका देने वाला हो सकता है। गुजराती फिल्म 'फुलेकू' और बॉलीवुड फिल्म 'रॉकेट गैंग' में अपने काम के लिए मशहूर एक्ट्रेस ने कहा कि मेरे लिए फैशन आत्म-अभिव्यक्ति का एक रूप है, जो कपड़ों, एसेसरीज और शैली के माध्यम से व्यक्तित्व और सांस्कृतिक प्रभावों को दिखाने का एक तरीका है। मंजरी ने कहा कि उनके कपड़े बेहद आरामदायक होते हैं, जो उन्हें सहज और आत्मविश्वासी महसूस कराते हैं। उनका मानना ङ्कहै कि फैशन के रुझानों के साथ बने रहना वास्तव में थका देने वाला हो सकता है। एक्ट्रेस ने कहा कि कलाकारों को कुछ हद तक वर्तमान से जुड़े रहने के साथ सार्वजनिक कार्यक्रमों और रेड कार्पेट इवेंट के लिए दबाव महसूस हो सकता है। मंजरी का मानना है कि कुछ लोग कभी-कभी ट्रेंड के मामले में हद से आगे निकल जाते हैं। कई लोग आराम से ज्यादा स्टाइल को प्राथमिकता देते हैं। क्या पहनना है, इसके लिए अवसर, व्यक्तिगत आराम और व्यक्तिगत स्टाइल पर ध्यान देना जरूरी है। इसके अलावा इसमें सांस्कृतिक और सामाजिक मानदंडों का भी ध्यान रखना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि किसी किरदार को अलग फैशन सेंस के साथ दिखाते समय कलाकार को अपनी भूमिका की प्रामाणिकता बनाए रखने और प्रशंसकों के बीच भ्रम से बचने के लिए सार्वजनिक रूप से किरदार के अनुरूप कपड़ों का चुनाव करना चाहिए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | गुरुवार | 20-06-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा आचार्यश्री तुलसी का 28वां महाप्रयाण दिवस पर गुरुदेव को श्रद्धा सुमन अर्पित करने हेतु साध्वीश्री उदितयशाजी के सान्निध्य में अर्हम भवन में विसर्जन दिवस का आयोजन किया गया।

उत्साहवर्धन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के विजय कर्नाटक क्रिकेट क्लब द्वारा बसवेश्वरनगर स्थित अंबेडकर खेल मैदान में क्रिकेट स्पर्धा जीपीएल कप 2024 का आयोजन किया गया। विशेष अतिथि महेंद्र मुणोत ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए अपने वक्तव्य में कहा जो फिट रहता है वह हिट रहता है। सफलता का फिटनेस से गहरा संबंध है, फिट रहने के लिए खेलकूद एवं व्यायाम अति आवश्यक है। आयोजकों ने मुणोत का सम्मान किया।

राजनकुंटे श्रीधाम में 'सुधांशु अमृत ज्ञान वर्षा' आज

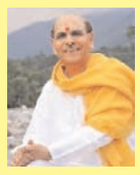

बेंगलूरु। विश्व जागृति मिशन के संस्थापक व अध्यात्मिक गुरु श्री सुधांशुजी महाराज के मुखारविंद से 'अमृत ज्ञान वर्षा' प्रवचन श्रृंखला का शुभारंभ गुरुवार से हो रहा है। बेंगलूरु शाखा के तत्वावधान में गुरुवार को मध्याह्न 12 बजे से राजनकुंटे स्थित श्रीधाम आश्रम में सुधांशुजी प्रवचन देंगे। 21 जून को शाम 5 बजे से, 22 जून को सुबह 11बजे से व शाम 5 बजे से तथा 23 जून को सुबह 10 बजे से जयनगर स्थित पूर्णिमा कन्वेंशन सेन्टर में प्रवचन माला का आयोजन किया गया है। 23 जून को ही प्रवचन के पश्चात गुरु दीक्षा कार्यक्रम भी रखा गया है।

विजयनगर तेरापंथ महिला मंडल द्वारा विसर्जन दिवस का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा आचार्यश्री तुलसी का 28वां महाप्रयाण दिवस पर गुरुदेव को श्रद्धा सुमन अर्पित करने हेतु साध्वीश्री उदितयशाजी के सान्निध्य में अर्हम भवन में विसर्जन दिवस का आयोजन किया गया। अध्यक्ष मंजू गादिया ने गुरुदेव को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सभी का स्वागत किया। साध्वीश्री भव्ययशाजी एवं शिक्षाप्रभाजी ने गुरुदेव को याद करते हुए गीतिका का संगान किया। साध्वीश्री संगीतयशा जी ने गुरुदेव के उद्गारों को याद करते हुए बताया कि गुरुदेव ने अनेक विरोधों की परवाह किए बगैर संघ के विकास में सतत प्रयासरत रहना सिखाया तथा उन्होंने अपने पद का भी विसर्जन किया।

साध्वीश्री उदितयशाजी ने कहा कि जब व्यक्ति को अपना पूर्ण भान भी नहीं रहता उस अल्प आयु में गुरुदेव ने इतने बड़े संघ का दायित्व संभाला और अपने कुशल नेतृत्व से अनेक कठिनाइयों को पार करते हुए संघ को सफलता की नई-नई ऊंचाइयां प्रदान की। आज महिला मंडल हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही है यह आचार्य श्री तुलसी की ही देन है। गुरुदेव ने अपने पद का विसर्जन करते हुए आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी को अपना उत्तराधिकारी बनाया तो इस विसर्जन दिवस के अवसर पर हमें भी अहंकार , ममत्व तथा पदलोलुपता का विसर्जन करना चाहिए। उपासक भरत बोथरा, उपाध्यक्ष सुमित्रा बरडिया तथा अभिलाषा डांगी ने भी गुरुदेव के प्रति अपनी भावांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का संचालन मंत्री दीपिका गोखरू तथा आभार ज्ञापन मंजू लुणिया ने किया।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर एक प्रसिद्ध एवं कुशल अर्थशास्त्री थे : राज्यपाल गहलोत

राज्यपाल ने अम्बेडकर स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स यूनिवर्सिटी के प्रथम दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। 'बाबा साहब डॉ. बीआर अम्बेडकर के विचारों और नीतियों को ध्यान में रखते हुए, भारत सरकार ने कई निर्णय लिए हैं जिसके कारण देश एक विकसित राष्ट्र के रूप में प्रगति कर रहा है और देश की अर्थव्यवस्था भी मजबूत है।' यह विचार डॉ. बी.आर. अंबेडकर स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स यूनिवर्सिटी के पहले दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करते हुए राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने व्यक्त किए। कहा। राज्यपाल गहलोत ने कहा कि अगर बाबा साहेब उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते थे और एक शानदार जीवन जीना चाहते थे तो वे लंदन, अमेरिका या देश में उच्च पद पर सेवा करना चुन सकते थे। उन्होंने अपने और अपने परिवार के कल्याण के बारे में सोचने के बजाय, सामाजिक उन्मूलन के लिए दृढ़ संकल्प के साथ काम किया। बाबा साहेब ने देश में आर्थिक एवं शैक्षणिक विषमताओं तथा समानता एवं सद्भाव का माहौल बनाया तथा समाज के कल्याण के लिए कार्य करते रहे एवं सर्वव्यापी, सर्वहितैषी बने।

राज्यपाल ने अपने उदबोधन में कहा कि डॉ भीमराव अम्बेडकर एक प्रसिद्ध एवं कुशल अर्थशास्त्री थे। भारतीय मुद्रा समस्या, मुद्रास्फीति एवं विनिमय दर, भारत का राष्ट्रीय लाभांश, भूमिहीन श्रमिक समस्या एवं महत्वपूर्ण विषयों पर शोध कर समस्याओं का समाधान किया। उन्होंने कहा कि भारत में आर्थिक और वित्तीय ताकत के लिए उनका काम अनुकरणीय है। सफल अर्थशास्त्री जटिल डेटा और आंकड़ों का अध्ययन करते हैं और वित्तीय संस्थानों को सलाह देने के लिए अपने निष्कर्षों का उपयोग करते हैं।

नीतियों और निवेश के संभावित प्रभाव पर अर्थशास्त्रियों की सलाह महत्वपूर्ण है। हमारे देश की अर्थव्यवस्था दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। इसे और मजबूत करने की जरूरत है, देश तेजी से विकसित राष्ट्र बनने की ओर बढ़ रहा है, उन्होंने सुझाव दिया कि आने वाले वर्षों में देश को दुनिया के विकसित देशों की अग्रणी पंक्ति में लाने के लिए सक्रिय प्रयास किये जाने चाहिए।

डॉ. बी.आर. डॉ. बी.आर. ने कहा, अंबेडकर स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स यूनिवर्सिटी अपना पहला दीक्षांत समारोह मना रहा है। अम्बेडकर स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स यूनिवर्सिटी आर्थिक अनुसंधान और शिक्षा में उत्कृष्टता का एक उभरता हुआ संस्थान है। इसे अर्थशास्त्र के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित संस्थान की आवश्यकता को पूरा करने के लिए बनाया गया था जो तेजी से विकासशील राष्ट्र की मांगों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस संस्थान से स्नातक होने वाले सभी छात्रों को बधाई। एक अर्थशास्त्री के रूप में, आप आर्थिक रुझानों पर शोध और निगरानी करने और भविष्य के विकास के लिए सांख्यिकीय मॉडल बनाने में आश्वस्त हैं। इस मौके पर मंत्री एमसी सुधाकर, आरबीआई के पूर्व गवर्नर डॉ. सी. रंगराजन, वीसी डॉ. एनआर भानुमूर्ति और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कर्नाटक के राज्यपाल ने यूनिवर्सिटी के प्रथम दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता की।

साध्वीश्री सिद्धप्रभा पहुंची हनुमंतनगर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी बुधवार को चामराजपेट से विहार कर हनुमंतनगर सभा भवन पहुंची जहां 25 जून तक उनका प्रवास होगा। तेरापंथ सभा, युवक परिषद, महिला मंडल इस प्रवास काल में निरंतर आध्यत्मिक कार्यक्रमों का आयोजन करेगी।

रास्ते की सेवा का लाभ तेयुप अध्यक्ष अंकुश बैद, धर्मेश कोठारी , उपाध्यक्ष महावीर कटारिया , सहमंत्री देवेंद्र आँचलिया व सुमित चिंडालिया, कोषाध्यक्ष गौत चावत व विहार सेवा प्रभारी रक्षित लोढ़ा ने लिया।

बसवनगुड़ी में 'स्टूडियो इवारा' का हुआ शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के समाजसेवी सम्पतराज पवनकुमार धारीवाल, शांतिलाल विनोदकुमार गुलेच्छा व महावीरकुमार तरुण मुथा परिवार ने मिलकर इंटीरियर डिजाइन, होम डेकोर व सरफेश फिनिश उत्पादों का नया शोरुम 'स्टूडियो इवारा' का शुभारंभ बसवनगुड़ी स्थित एचबी समाज रोड पर किया गया है। इस नए शोरुम में घर को सजाने संवारने के लिए विभिन्न इंटीरियर उत्पादों की विस्तृत रेंज सहित डेकोरेटिव टाइल्स, लुवरस, लेमिनेट, एमडीएफ व अन्य साज सज्जा के सामान उपलब्ध है। नए घर बनाने वाले व अपने घर को पुर्नसज्जीत करने वालों के लिए यह नया शोरुम अच्छा विकल्प हो सकता है। शुभारंभ के मौके पर बड़ी संख्या में धारीवाल, गुलेच्छा व मुथा परिवार के मित्र, हितैषी व संभावित ग्राहक उपस्थित हुए।

तेरापंथ सभा यशवंतपुर की नई कार्यकारिणी समिति ने किया दायित्व ग्रहण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथी सभा यशवंतपुर का वर्ष 2024-26 का दायित्व ग्रहण समारोह साध्वीश्री उदितयशाजी के सान्निध्य मे अर्हम भवन विजयनगर में आयोजित हुआ। साध्वीश्रीजी उदितयशाजी ने कहा कि दायित्व ग्रहण करने से पहले श्रावक को दायित्व का बोध होना चाहिए। पद से मुक्त होने पर भी व्यक्ति कार्यकर्ता रहता है इसलिए उसका कार्यकाल कभी समाप्त नही होता। सभाओं का दायित्व होता है कि वह मूल को छोडे नहीं और तत्वज्ञान व पच्चीस बोल हर श्रावक सीखे ऐसा प्रयास करना चाहिए। समय समय पर समय प्रबंधन और कार्यकर्त्ता प्रशिक्षण कार्यशालाए होती रहनी चाहिए। कार्यक्रम नमस्कार महामंत्र के सामूहिक उच्चारण के साथ शुरु हुआ।

नवीन एवं गगन बरडिया ने संघ गीत का संगान किया। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन प्रकाश लोढा ने किया। अध्यक्ष गौतमचंद मुथा ने नव मनोनीत अध्यक्ष सुरेश बरडिया को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। सुरेश बरडिया ने पदाधिकारी उपाध्यक्ष कुंदन गन्ना, विजयराज बरडिया, ताराचंद गन्ना, मंत्री अनिल दक, सहमंत्री सुनील बाबेल, कमलेश दक, कोषाध्यक्ष निर्मल बाफना, संगठन मंत्री भेरुलाल माण्डोत, परामर्शक एवं कार्यकारिणी सदस्यगण को शपथ दिलाई।

महासभा से समागत प्रकाश लोढा, सभा प्रभारी नवनीत मुथा, गांधी नगर ट्रस्ट अध्यक्ष प्रकाश बाबेल, मदनलाल बरडिया, गांधीनगर सभा अध्यक्ष पारसमल भंसाली, विजयनगर उपाध्यक्ष भंवरलाल माण्डोत, तेयुप अध्यक्ष जिगर मारू, महिला मंडल अध्यक्ष मीनाक्षी दक ने शुभकामनाएं दी। प्रेक्षा संगीत सुधा ने गीतिका प्रस्तुत की। मंत्री अनिल दक ने धन्यवाद दिया। संचालन महावीर ओस्तवाल ने किया। विजयनगर अध्यक्ष मंगलचंद कोचर, टी दासरहल्ली अध्यक्ष भगवतीलाल माण्डोत, राजाजीनगर अध्यक्ष अशोक चौधरी, हनुमंतनगर के अध्यक्ष तेज़मल सिंघवी आदि संस्थाओं के अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे।

कर्नाटक महर्षि दाधीच परिषद की नई कार्यकारिणी समिति गठित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के मागडी रोड अग्रहार दासरहल्ली स्थित रामदेव प्रार्थना मंदिर में कर्नाटक महर्षि दाधीच परिषद ट्रस्ट की नई कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया, जिसमें संरक्षक किशोरचंद सूंठवाल, मुरलीधर सूंठवाल,दामोदर जोशी, श्याम सुंदर काकड़ा एवं परामर्श दाता सत्यनारायण गोटेचा, ओमप्रकाश तिवारी, हुलास बेहेड, हनुमान तिवारी को शामिल किया है। अध्यक्ष पद पर नथमल पाटोदियाँ, उपाध्यक्ष बाबूलाल बोरायडा, महामंत्री प्रभाकर काकडा, मंत्री अमित सूंठवाल, सहमंत्री प्रदीप जोशी, कोषाध्यक्ष नितिन दायमा, संगठन मंत्री राजकुमार जोशी, संगठनमंत्री मनमोहन बोरायडा, संयोजक भानूप्रकाश रिंणवा, संयोजक पंकज मुंडेल, सांस्कृतिक मंत्री किशनलाल मांडोलिया का चयन किया गया। उपस्थित अन्य सदस्यों ने नए पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ऊर्जा योजना निर्देशिका

जीतो हुब्बल्ली चैप्टर ने ऊर्जा राष्ट्रीय परियोजना के तहत 'ऊर्जा' योजना का शुभारंभ किया जिसका उद्देश्य घर से या पेशेवर रूप से काम करने वाली महिला उद्यमियों को व्यापार के नए अवसर प्रदान करना है। केकेजी जोन की संयोजिका यशमा जैन के नेतृत्व में यह योजना शुरु करने वाले केकेजी जोन में पहला चैप्टर बना हुब्बल्ली। चैप्टर के चेयरमैन अनिलकुमार जैन, महिला चेयरपर्सन गीता चेड्डा, महासचिव प्रवीण चौधरी, महिला महासचिव शीतल शाह सहित अन्य पदाधिकारियों ने इस ऊर्जा योजना की जानकारी वाली निर्देशिका का विमोचन किया।

सुराणा संघ की साधारण रविवारिय सभा में होगा अध्यक्ष का चुनाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के होसूर रोड़ स्थित सुसवाणी माता धाम में रविवार को बेंगलूरु में बसे समस्त सुराणा गौत्र बंधुओं की साधारण सभा रखी गई है। संघ अध्यक्ष महीपाल सुराणा ने बताया कि चेयरमैन दिलीप सुराणा की उपस्थिति में तीन वर्षीय कार्यकाल की विस्तृत रिपोर्ट के साथ कोषाध्यक्ष नरेंद्रसुराणा द्वारा आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया जाएगा। सुराणा संघ के महामंत्री भीमराज सुराणा ने जानकारी देते हुए बताया कि मध्याह्न 3 बजे से आयोजित इस सभा में संघ के नए अध्यक्ष का चुनाव भी होगा।

आपत्तिजनक अंश हटाने के बाद फिल्म 'हमारे बारह' को उच्च न्यायालय ने प्रदर्शन की मंजूरी दी

मुंबई। बंबई उच्च न्यायालय ने बुधवार को अभिनेता अन्नू कपूर अभिनीत फिल्म हमारे बारह को रिलीज करने की अनुमति दे दी। फिल्म निर्माता के कुछ आपत्तिजनक अंशों को हटाने पर सहमत होने के बाद अदालत ने यह अनुमति दी। यह फिल्म पहले सात जून और फिर 14 जून को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसके 21 जून को रिलीज होने की संभावना है।

फिल्म के खिलाफ उच्च न्यायालय में कई याचिकाएं दायर कर दावा किया गया है कि इसमें कुरान की बातों को गलत तरीके से पेश किया गया है तथा यह इस्लामी आस्था और मुस्लिम समुदाय के प्रति अपमानजनक है। याचिका में फिल्म के रिलीज पर रोक लगाए जाने की मांग की गयी थी। न्यायमूर्ति बी.पी. कोलाबावाला और न्यायमूर्ति फिरदौस पूनीवाला की खंडपीठ ने फिल्म देखी और इसमें कुछ बदलाव करने का सुझाव दिया, जिस पर निर्माता और याचिकाकर्ता दोनों सहमत हो गए।

इसके अनुसार, अदालत ने कहा कि निर्माता आवश्यक बदलाव करेंगे और फिर फिल्म रिलीज करेंगे। निर्माताओं ने बाद में कहा कि आवश्यक बदलाव किए जाएंगे और केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से प्रमाण पत्र प्राप्त किया जाएगा, जिसे आमतौर पर सेंसर बोर्ड के रूप में जाना जाता है। निर्माता अब फिल्म को 21 जून को रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। उच्च न्यायालय ने सीबीएफसी से प्रमाणपत्र प्राप्त करने से पहले ही फिल्म का ट्रेलर जारी करने को लेकर निर्माताओं पर पांच लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया।

इसी महीने पूर्व में अदालत ने फिल्म की रिलीज को स्थगित कर दिया था।

बाद में निर्माताओं द्वारा यह कहे जाने के बाद कि सीबीएफसी के निर्देशानुसार आपत्तिजनक अंशों को हटा दिया जाएगा, न्यायालय ने फिल्म के रिलीज की अनुमति दे दी।

याचिकाकर्ताओं ने उच्चतम न्यायालय का रुख किया था, जिसने पिछले सप्ताह फिल्म की रिलीज पर रोक लगा दी और उच्च न्यायालय को मामले की सुनवाई कर उचित निर्णय लेने का निर्देश दिया।

उच्च न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि उसने फिल्म देखी और इसमें कुरान या मुस्लिम समुदाय के खिलाफ कुछ भी आपत्तिजनक नहीं पाया। अदालत ने इसके साथ ही कहा कि फिल्म वास्तव में महिलाओं के उत्थान के उद्देश्य से बनाई गई है।

पाप से बचें, धर्म से जुड़ें, पुण्य का अर्जन करें : साध्वीश्री दर्शनप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महालक्ष्मी लेआउट में स्थित मातृकृपा निवास पर विराजित श्रवण संघीय उपप्रवर्तिनी डॉ दर्शनप्रभाजी व डॉ समृद्धिश्रीजी का चेतनप्रकाश झारमुथा, विनोद भंसाली, नीलेश लोढ़ा आदि ने गर्मजोशी से स्वागत किया। इस मौके पर साध्वीश्री ने कहा कि इस संसार में हमें पाप से बचना चाहिए।

जीवन में छोटे छोटे पाप व गलत कामों से बचना चाहिए और धर्म व ध्यान में मन लगाना चाहिए। पाप से दूरी बनाने व धर्म से नजदीकी बढ़ाने से पुण्य का अर्जन होगा और मोक्ष की प्राप्ति होगी। इस मौके पर धनंजय गुरुजी एवं विनोद भंसाली ने अपने भाव व्यक्त किये। प्रवचन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पुरुष व महिला उपस्थित थे।

सऊदी अरब में भीषण गर्मी के बीच हज यात्रा के दौरान सैंकड़ों लोगों की मौत

मक्का। सऊदी अरब में भीषण गर्मी के बीच इस साल हज यात्रा के दौरान सैकड़ों लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि लोग अपने प्रियजनों के शवों को लेने की कोशिश कर रहे हैं। सऊदी अरब ने हज के दौरान गर्मी के कारण मरने वालों की संख्या के बारे में कोई टिप्पणी नहीं की है, न ही मौतों की वजह बताई है। हालांकि, मक्का के निकट अल-मुआइसम में आपातकालीन परिसर में सैकड़ों लोग अपने परिवार के लापता सदस्यों के बारे में जानकारी प्राप्त करने की कोशिश में कतार में खड़े रहे।ऑनलाइन प्रसारित एक सूची से पता चलता है कि पांच दिवसीय हज के दौरान कम से कम 550 लोगों की मौत हो गई।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com